वर्ष-3, अंक-34
इन्दौर, गुरुवार
17 अप्रैल 2025
पृष्ठ 8, मूल्य 2 रु.

RNI-MPHIN/2013/53761
DAVP 133088/20/02/2020

राष्ट्रीय जनभावना

चाणक्य नीति

'जो धैर्यवान नहीं है उसका न वर्तमान और न ही भविष्य'
मुझे वह दौलत नहीं चाहिए जिसके लिए कठोर यातना सहनी पड़े, या सदाचार करना पड़े, या अपने शत्रु की चापलूसी करनी पड़े।

-चाणक्य

प्रधान संपादकः सुनील वर्मा मो.: 9425491979, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई : सिब्बल ने कहा–

नया कानून 20 करोड़ लोगों की आस्था का अधिकार छीन रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार के वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई जारी है। इस कानून के खिलाफ 70 से ज्यादा याचिकाएं लगाई गई हैं। CJI संजीव खन्ना और जस्टिस पीवी संजय कुमार, जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच मामले पर सुनवाई कर रही है।

केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल (SG) तुषार मेहता पैरवी कर रहे हैं। वहीं कानून के खिलाफ कपिल सिब्बल, राजीव धवन, अभिषेक मनु सिंघवी, सीयू सिंह दलीलें रख रहे हैं। सुनवाई दोपहर 2:30 बजे शुरू हुई। CJI खन्ना ने कहा, हम दोनों पक्षों से दो पहलुओं पर विचार करने के लिए कहना चाहते हैं। सबसे पहले, क्या हमें इस पर विचार करना चाहिए या इसे हाईकोर्ट को सौंप देना चाहिए? दूसरा, संक्षेप में बताएं कि आप वास्तव में किस मुद्दे पर क्या कहना चाह रहे हैं?

कपिल सिब्बलः हम उस प्रावधान को चुनौती देते हैं, जिसमें कहा गया है कि केवल मुसलमान ही वक्फ बना सकते हैं। सरकार कैसे कह सकती है कि केवल वे लोग ही वक्फ बना सकते हैं जो पिछले 5 सालों से इस्लाम को मान रहे हैं? इतना ही नहीं राज्य कैसे तय कर सकता है कि मैं मुसलमान हूं या नहीं और इसलिए वक्फ बनाने के योग्य हूं?

नड्डा के घर सीक्रेट बैठक, पीएम मोदी की राष्ट्रपति से मुलाकात

सियासी गलियारों में अटकलों का बाजार गर्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में इन दिनों नए वक्फ कानून को लेकर राजनीति जारी है। संसद से पारित नए कानून को लेकर विरोध प्रदर्शन की आग में जहां एक ओर पश्चिम बंगाल के कई इलाके हिंसा की आग में जल रहे हैं।

वहीं कानून की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को सुनवाई शुरु हो गई। इस बीच दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ-साथ बीजेपी के तमाम नेताओं की हालिया गतिविधि ने सभी का ध्यान खींचा है। अटकलें है कि क्या देश में कुछ बड़ा होने वाला है। दरअसल बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा के आवास पर बीती रात एक हाई-प्रोफाइल बैठक ने इन बातों को हवा दी। बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और अश्विनी वैष्णव जैसे दिग्गज नेता शामिल हुए। बीजेपी के शीर्ष नेताओं की यह बैठक करीब ढाई घंटे तक चली। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। शाह और सिंह जैसे नेताओं की मौजूदगी इसका संकेत देती है कि चर्चा में राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा से जुड़े मुद्दे भी शामिल हो सकते हैं। वहीं, पीयूष गोयल और अश्विनी वैष्णव का होना आर्थिक और बुनियादी ढांचे से जुड़े मसलों की ओर इशारा करता है।

जस्टिस बीआर गवई देश के 52वें चीफ जस्टिस होंगे

14 मई से संभालेंगे सुप्रीम कोर्ट का काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने अपने उत्तराधिकारी के रूप में जस्टिस बीआर गवई के नाम की आधिकारिक सिफारिश की है।

उनके नाम को मंजूरी के लिए केंद्रीय कानून मंत्रालय को भेज दिया गया है। इसके साथ ही जस्टिस भूषण रामकृष्ण गवई का भारत का 52वां मुख्य न्यायाधीश बनना तय हो गया है। परंपरा है कि मौजूदा ष्ष्छ्ढ्ढ अपने उत्तराधिकारी के नाम की सिफारिश तभी करते हैं, जब उन्हें कानून मंत्रालय से ऐसा करने का आग्रह किया जाता है। मौजूदा ष्ष्छ्ढ्ढ संजीव खन्ना का कार्यकाल 13 मई को खत्म हो रहा है। CJI खन्ना के बाद वरिष्ठता सूची में जस्टिस गवई का नाम है। इसलिए जस्टिस खन्ना ने उनका नाम आगे बढ़ाया है। हालांकि उनका कार्यकाल सिर्फ 7 महीने का होगा। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर दिए प्रोफाइल के मुताबिक जस्टिस गवई 24 मई 2019 को सुप्रीम कोर्ट जज के रूप में प्रमोट हुए थे। उनके रिटायरमेंट की तारीख 23 नवंबर 2025 है।

सोने ने लगाई छलांग 95 हजार पर पहुंचा

नई दिल्ली(एजेंसी)। बुधवार को सोने के भाव ने घरेलू वायदा बाजार में पहली बार 95,000 का आंकड़ा पार किया। यह अब तक का इसका सबसे ऊंचा भाव है। सोना 95,090 रुपए प्रति 10 ग्राम के नए टॉप पर पहुंच गया और बाद में कुछ गिरावट के बाद 95,000 पर कारोबार हुआ। बुधवार दोपहर तक सोने की कीमत में 1.66 फीसदी की बढ़ोरती देखने को मिली। चांदी ने भी वायदा बाजार में अच्छी बढ़त दर्ज की, इसकी कीमतें 1.56 फीसदी बढ़कर एमसीएक्स पर 96,253 रुपए प्रति किलो हो गईं। इसने दिन के भीतर 96,344 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर भी छुआ। कीमतों में यह उछाल कमजोर डॉलर और ट्रंप के टैरिफ वॉर के बीच जारी अनिश्चितता के चलते आई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने की कीमतें गिरते डॉलर, व्यापार को लेकर बने तनाव और वैश्विक आर्थिक वृद्धि को लेकर चिंताओं से रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गईं।

ट्रम्प ने चीन पर 100% टैरिफ और बढ़ाया, 245% किया

चीन बोला-ट्रेड वॉर से नहीं डरते; 5 दिन पहले अमेरिकी सामान पर 125% टैरिफ लगाया था

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ वॉर और आगे बढ़ गई है। अमेरिका ने अब चीन पर 100% और टैरिफ लगा दिया है। इसके साथ अमेरिका इम्पोर्ट होने वाले चीनी सामान पर कुल टैरिफ 245% हो गया है।

चीन ने 11 अप्रैल को अमेरिकी सामान पर 125% टैरिफ लगाया था, जिसके जवाब में ट्रम्प ने नया टैरिफ लगाया है। इससे पहले चीन ने कहा था कि अब वह अमेरिका की तरफ से लगाए जाने वाले किसी भी अतिरिक्त टैरिफ का जवाब नहीं देगा। अमेरिका की तरफ से नए टैरिफ के ऐलान के बाद चीन ने कहा कि हम अमेरिका के साथ ट्रेड वॉर करने से नहीं डरते। चीन ने दोबारा कहा कि अमेरिका को बातचीत करनी चाहिए। इससे पहले डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा था कि चीन को बातचीत की शुरुआत करनी होगी। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि अगर अमेरिका सच में डायलॉग और समझौते के जरिए मुद्दे को सुलझाना चाहता है, तो उसे बेमतलब का दबाव बनाना, डराना और ब्लैकमेल करना बंद करना चाहिए और चीन के साथ बराबरी, सम्मान और आपसी हित के आधार पर बात करनी चाहिए। लिन जियान ने पत्रकारों से कहा कि 245त्न अमेरिकी टैरिफ के तहत अलग-अलग टैक्स रेट क्या होगा, ये आप अमेरिका से ही पूछिए। ये टैरिफ वॉर अमेरिका ने शुरू की है, हमने नहीं। हम सिर्फ अमेरिका के एक्शन का जवाब दे रहे हैं। हमारे कदम पूरी तरह तार्किक और कानूनी हैं। हम अपने देश के अधिकारों और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में ईमानदारी बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं।

चीन ने इस ट्रेड वॉर के बीच 7 कीमती धातुओं (रेयर अर्थ मटेरियल) के निर्यात पर भी रोक लगा दी है। चीन ने कार, ड्रोन से लेकर रोबोट और मिसाइलों तक असेंबल करने के लिए जरूरी मैग्नेट यानी चुंबकों के शिपमेंट भी चीनी बंदरगाहों पर रोक दिए हैं। ये मटेरियल ऑटोमोबाइल, सेमीकंडक्टर और एयरोस्पेस बिजनेस के लिए बेहद अहम हैं।

गुरुग्राम लैंड स्कैम, रॉबर्ट वाड्रा से ED की पूछताछ जारी

प्रियंका गांधी खुद छोड़ने आईं; पेशी से पहले बोले- वे परेशान करेंगे तो और स्ट्रॉन्ग बनूंगा

गुरुग्राम (एजेंसी)। गुरुग्राम लैंड स्कैम केस में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा से लगातार दूसरे दिन प्रवर्तन निदेशालय (ED) के दफ्तर में पूछताछ हो रही है। वह सुबह करीब 11 बजे ऑफिस पहुंचे थे। उन्हें छोड़ने के लिए खुद प्रियंका गांधी आईं। इससे पहले मंगलवार को भी श्वष्ठ ने वाड्रा से करीब 6 घंटे पूछताछ की थी। वाड्रा पूछताछ के लिए पैदल ही दफ्तर पहुंचे थे। आज पेशी से पहले वाड्रा ने कहा, मैं कभी भी अपने आपको सॉफ्ट टारगेट नहीं बुलाऊंगा। आप (केंद्र सरकार) मुझे परेशान करोगे या कोई प्रेशर डालोगे तो मैं और उभरकर आऊंगा, स्ट्रॉन्ग बनूंगा। हम लोगों की बात रखते हैं, इसलिए टारगेट पर हैं। हम किसी से डरते नहीं हैं। हम हमेशा लोगों के लिए लड़ते रहेंगे। संसद में चाहे राहुल गांधी को रोका जाए या मुझे बाहर रोका जाए, हम सच्चाई और लोगों के लिए लड़ते रहेंगे। हम टारगेट जरूर हैं, पर सॉफ्ट टारगेट नहीं हैं। हम हार्ड टारगेट हैं, और हार्डर (मजबूत) बनते रहेंगे।

उर्दू भारत में ही जन्मी भाषा, इसे किसी धर्म से जोड़ना है गलत

अकोला। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र के अकोला जिले में पातुर नगर परिषद के साइनबोर्ड पर उर्दू भाषा के इस्तेमाल को बरकरार रखते हुए एक अहम फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि भाषा संस्कृति का हिस्सा है और इसे लोगों को बांटने का कारण नहीं बनना चाहिए। कोर्ट ने उर्दू को गंगा-जमुनी तहजीब की बेहतरीन मिसाल बताते हुए इसे भारत में जन्मी भाषा करार दिया है। जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने पातुर नगर परिषद की पूर्व पार्षद वर्षाताई संजय बागड़े की याचिका को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में भारत की भाषाई विविधता की सराहना की और कहा कि हमें अपने पूर्वाग्रहों को त्यागकर हर भाषा से दोस्ती करनी चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर भारत का विभाजन न हुआ होता, तो हिंदी और उर्दू का मिश्रित रूप हिंदुस्तानी शायद देश की राष्ट्रीय भाषा होती।

राहुल गांधी ने संगठन सृजन अभियान शुरु कर कहा–

नई पीढ़ी को कांग्रेस में लाएं और भाजपा से जुड़े लोगों को प्यार से बाहर करें

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात दौरे के दूसरे दिन कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी अरावली जिले के मोडासा पहुंचे हैं। यहां पर राहुल गांधी ने कांग्रेस संगठन को मजबूत करने की दिशा में संगठन सृजन अभियान की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, अब वक्त आ गया है कि हम नई पीढ़ी को कांग्रेस से जोड़ें और भाजपा से जुड़े लोग जो यहां मौजूद हैं उन्हें प्यार से बाहर करें। मोडासा स्थित बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर हॉल में आयोजित एक सादगीपूर्ण कार्यक्रम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जिले के करीब 1200 बूथ कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने साफ कहा कि पार्टी को नए, ऊर्जावान और समर्पित चेहरों की जरूरत है।

इसके साथ ही उन्होंने एक महत्वपूर्ण संदेश देते हुए कहा, इस भीड़ में भाजपा से जुड़े लोग भी हो सकते हैं। हमें उन्हें गुस्से से नहीं, प्यार से बाहर का रास्ता दिखाना है। राहुल गांधी का यह बयान संगठनात्मक शुद्धिकरण और भविष्य की पीढ़ियों को कांग्रेस से जोड़ने की दिशा में एक स्पष्ट संकेत माना जा रहा है। उन्होंने यह भी दोहराया कि पहले भी उन्होंने गुजरात में कांग्रेस कार्यकर्ताओं से कहा था कि पार्टी में मौजूद कुछ लोग भाजपा से मिले हुए हैं, जिन्हें संगठन से बाहर करना होगा। राहुल गांधी ने इस अभियान के तहत कार्यकर्ताओं को मतदाताओं को बूथ तक लाने और कांग्रेस के पक्ष में मतदान के लिए प्रेरित करने का निर्देश दिया। इसके अलावा जिला कांग्रेस समितियों और उनके अध्यक्षों को सशक्त बनाने पर भी जोर दिया।

बिहार के मुजफ्फरपुर में बस्ती में आग, 5 की मौत

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुजफ्फरपुर में बुधवार को एक दलित बस्ती के 50 से अधिक घरों में आग लग गई। हादसे में 4 बच्चे समेत 5 लोगों की झुलसकर मौत हो गई है। वहीं, 15 से 20 बच्चे आग से बचने के लिए इधर-उधर भाग गए थे। दो घंटे बाद गायब सभी बच्चे अपने घर पहुंच गए। मृतकों में छोटू पासवान की बेटी अंशिका कुमारी (05), राज पासवान की बेटी ब्यूटी कुमारी (08), सृष्टि कुमारी (06), विपुल कुमार (10) शामिल हैं। बताया जा रहा है कि शार्ट सर्किट की वजह से हाई टेंशन तार गोलक पासवान के घर गिरा, जिसकी वजह से आग लगी। फिर देखते ही देखते पूरे झुग्गी के इलाके में फैल गई। इस दौरान कई झोपड़ियों में रखी गई सिलेंडर ब्लास्ट कर गए। गांव के गोलक पासवान में घर में अचानक शॉर्ट सर्किट से आग लगी थी।

पैसे देकर बाहरी लोगों को बुलाया, बंगाल में हिंसा के लिए बीजेपी जिम्मेदार

सीएम ममता ने कहा- कई जगह वक्फ संपत्तियों पर हिंदू परिवार भी रहते हैं

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने एक कार्यक्रम में बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने राज्य में भड़की हिंसा के लिए भी बीजेपी को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि पैसा देकर बाहरी लोगों को बुलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वक्फ की संपत्तियों में हिंदुओं को सोशल वेलफेयर के लिए वक्फ ने दान दिया है। आज कई जगहों पर वक्फ संपत्तियों पर हिंदू परिवार रहते हैं। उन्होंने बीजेपी पर स्टेट वक्फ बोर्ड तोड़ने और उसका नियंत्रण आपने हाथों में लेने का आरोप लगाया। उन्होंने बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा कि देश में आपकी सिंगल मैजोरिटी नहीं है, फिर यह कैसे कर रहे हैं?

उन्होंने बीजेपी के मनमानी के लिए चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार को भी घेरते हुए कहा कि आप दोनों क्यों चुप हैं? क्या आपने उन्हें वोट नहीं दिया? अगर वक्फ में बदलाव करना था, तो संविधान संशोधन क्यों नहीं किया? आपने चालाकी से बिल पास कराया। ममता ने बीजेपी पर सांप्रदायिक तनाव भड़काने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने रामनवमी के दिन दंगे भड़काने की योजना बनाई थी, लेकिन जनता ने इसे नाकाम कर दिया।

उन्होंने कहा कि हर समाज में कुछ गद्दार होते हैं जो पैसे लेकर अपनी ही जड़ें काटते हैं। अगर आपको विरोध करना है, तो इंडोर स्टेडियम में करें, बाहर नहीं, क्योंकि वहां बीजेपी वाले हिंदू-मुस्लिम तनाव भड़काएंगे। ममता ने केंद्र सरकार और गृह मंत्री अमित शाह पर भी तंज कसा। उन्होंने पूछा कि मोदी सरकार को इतनी जल्दी क्यों है? बांग्लादेश की स्थिति का क्या पता?

मुठभेड़ में दो नक्सली मारे गए

कोंडागांव (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव-नारायणपुर सीमा पर बुधवार सुबह हुए मुठभेड़ में दो कट्टर नक्सली मारे गए तथा सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के कब्जे से एके-47 और दोनो नक्सलियों के शव बरामद कर लिया गया है। क्षेत्र में खोजी अभियान जारी है।

छत्तीसगढ़ के सुरक्षा बलों को सूचना मिली थी कि कुछ नक्सलियों की कोंडागांव-नारायणपुर सीमा पर आमद देखी गई है जिसमें सुरक्षा बलो ने नक्सलियों की घेराबंदी की जिसमें आज सुबह सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई जिसमें सुरक्षा बलों ने दो नक्सलियों को मार गिराया। आईजी बस्तर पी. सुंदरराज ने बताया कि मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने पूर्वी बस्तर डिवीजन के डिविजनल कमेटी सदस्य हलदर और एरिया कमेटी सदस्य रामे को मार गिराया है और उनका शव बरामद कर लिया है।

संपादकीय

एससी-एसटी वर्गीकरण का पहला राज्य बना तेलंगाना

तेलंगाना की कांग्रेस सरकार ने एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) समुदायों के भीतर वर्गीकरण की नीति को लागू करने का निर्णय लिया है। तेलंगाना देश का पहला राज्य बन गया है। जिसने सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ के निर्णय के अनुसार वर्गीकरण का काम कर केंद्र सरकार और भाजपा को कड़ी चुनौती देने का काम किया है। तेलंगाना सरकार का यह निर्णय सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की दिशा में एक बड़ा और साहसिक कदम है। आजादी के बाद देश में आरक्षण की व्यवस्था, समग्र सामाजिक विकास के उद्देश्य से पिछड़े वर्गों को मुख्यधारा में लाने के लिए की गई थी। कई दशकों बाद यह महसूस हुआ, एससी-एसटी समुदाय के भीतर की कुछ जातियाँ ही आरक्षण का लाभ मिला हैं। जबकि अन्य समूह 75 साल के बाद भी हाशिए पर ही रह गए है। इस असंतुलन को दूर करने के लिए अब समूह के बीच वर्गीकरण की आवश्यकता पैदा हुई है। तेलंगाना सरकार ने एक अध्ययन समिति का गठन किया था। उसकी रिपोर्ट के आधार पर सरकार ने उपसमूह के आधार पर यह निर्णय लिया है। समाज के भीतर सबसे पिछड़े वर्गों को वास्तविक लाभ कैसे पहुँचाया जाये। इस वर्गीकरण से अब आरक्षण और अन्य सामाजिक योजनाओं का लाभ उनको नहीं मिलेगा, जो पहले से सशक्त हैं। सरकारी योजनाओं का लाभ उन उपवर्गों तक पहुँचेगा। जिन्हें अब तक आरक्षण के लाभ से नजर अंदाज रखा गया है।यह कदम सामाजिक ही नहीं, संवैधानिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ इस विषय पर पहले ही फैसला कर चुकी है। इस तरह के वर्गीकरण को सिद्धांततः सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ वैध ठहरा चुकी है। सुप्रीम कोर्ट की शर्त थी, इसका आधार ठोस और न्यायसंगत हो। तेलंगाना सरकार ने इस बात का ध्यान रखते हुए सर्वे के माध्यम से व्यापक आंकड़ों और समाजिक विश्लेषण के साथ नीति तैयार की है। यह निर्णय देश के बाकी राज्यों के लिए भी एक उदाहरण बन सकता है। इस निर्णय को पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ लागू किया जाएगा, तो निश्चित रूप से यह नीति उन समुदायों के लिए वरदान साबित हो सकती है।जो अब तक सरकारी योजनाओं का लाभ पाने से बहुत दूर है। तेलंगाना ने यह सिद्ध किया है, केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि ठोस नीतिगत निर्णयों से ही सामाजिक न्याय को सुनिश्चित और जवाबदेह बनाया जा सकता है। तेलंगाना सरकार की यह पहल देश में आरक्षण नीति के पुनः परीक्षण और नवचिंतन का नया आधार बन सकता है। तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार है। कांग्रेस नेता एवं नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जाति आधार पर जनगणना की मांग पिछले कई वर्षों से कर रहे हैं। जिस तरह की स्थिति देश में अब बन गई है। सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ ने आरक्षण के मसले पर जो दिशा निर्देश जारी किए हैं। उसके अनुसार तेलंगाना सरकार ने काम करते हुए जो नई नीति लागू की है। वह देश के विकास की एक नई आधार शिला बन सकती है।

जुबान और उसकी कीमत

पहले जुबान की बहुत कीमत होती थी। उन दिनों लोग कागज पर अपनी बात लिखकर नहीं देते थे। अकेले में कही बात भी जुबान मानी जाती थी। तब जुबानी याद करने के दिन थे। जब जुबान होती थी। वेद - उपनिषद् , लोकोक्ति - मुहावरे - पहाड़ों को लोग मुँह जुबानी याद कर के रखते थें। ये एक पीढी- से दूसरी- पीढ़ी तक चला जाता था। लोग चीजों को याद रखते थे। ये सब अब गुजरे जमाने की बातें हैं। अभी समय ये है कि सुबह लिया। और शाम को पूछो तो ये जबाब मिलता है। कि कब तुमसे लिया था। लोग आज अगर आप से पाँच सौ से हजार माँग कर ले जाते हैं। और आप दो दिन में अपना पैसा माँगने लगते हैं। तो लोग आपसे अपने संबंध विच्छेद कर लेते हैं। दस बीस हजार अगर ले लिया तो आपका फोन उठाना बँद कर देते हैं। ज्यादा तँग कीजियेगा तो सामने वाला आपको ब्लॉक लिस्ट में डाल देता है। यानी लोग उन दिनों आज की तरह जुबानफरोश नहीं होते थे। लोग लेते समय चीजों को याद रखते थे। कि अमुक आदमी से मैनें ये चीज उधार ली है। अमुक चीज को अमुक दिन लौटाना है। जिस दिन लिया उस दिन से लौटाने के दिन तक लोग उस बात को याद रखते थे। कि अमुक ने अमुक चीज हमें अमुक समय के लिए उधार दी थी। ये याद रखना बड़ी बात होती है। उस समय कागज का आविष्कार नहीं हुआ था। लोग चीजों को बोलकर याद रखते थे। जाहिर है ये बोलना या दुहराया जाना जुबान से किया जाता था। लिहाजा चीजें लँबे समय तक याद रहतीं थीं । तो वो जुबान का समय था। दिलचस्प बात ये थी। कि उन दिनों कागज का आविष्कार नहीं हुआ था। उस समय ताले भी नहीं होते थे। और लोग जुबानफरोश भी नहीं हुआ करते थे!जरूरत ही नहीं पड़ती थी। लोग जुबानी जो थे। जो कह दिया सो कह दिया। जो बोल दिया वो पत्थर की लकीर। सूर्य पश्चिम से निकल सकता है। लेकिन जुबान देने वाला अपनी जुबान से नहीं फिर सकता। जुबान से फिरा हुआ आदमी असल बाप की औलाद नहीं हो सकता था। लोग शिवशंकर कहलाना पसंद करते थे। संकर कहलाना नहीं। लेन -देन मुँह जबानी हुआ करता था। कागज लोगों की सुविधा के लिए आया था। लेकिन लोग इस्तेमाल से बचते थे। कौन लिखा पढ़ी करे। बेकार का टँटा। जो पुराने लोग थे।वो ज्यादा जुबानी थे। जैसे -जैसे आदमी पढ़ता लिखता गया। शिक्षित होता गया। उतना ही बेईमान होता गया ! शिक्षा ने आदमी को बेईमान बना दिया। फिर क्या फायदा उसके इतना पढ़ा लिखा होने का ! जब उसके जुबान की कोई कीमत ही नहीं हो। जो पढ़-लिखकर छल - प्रपंच करना सीख जाये। लिहाजा जुबान की कीमत खत्म होने लगी। लोग अब तहरीर कापियों में लिखकर रखने लगे। नीचे उसके लेनदार का अँगूठा लगाया जाता था। या हस्ताक्षर ले लिया जाता था। ताकि पढ़ा-लिखा आदमी अपनी जुबान से मुकर ना जाए। कागज पर लिखकर रखने की जरूरत तब पड़ी। ताकि लेनदार से वापसी के समय उस कागज को दिखाया जाये। और बकाये की वसूली की जाये। ये और बात है कि लोगों के लिखना और पढ़ना सीखने के बाद ही जुबाने खाली होने लगीं। लोग जुबान फरोश होने लगे। मैं दावे के साथ कह सकता हूँ। कि आदमी में पहले जुबान फरोशी आयी। फिर लोग झूठ बोलने लगे। झूठ बोलने के बाद भी जब लोगों का काम नहीं चलने लगा। तब लोग चोरी -चकारी करने लगे। और आजकल जब अपने दिये पैसे माँगने जाओ। तो लोग कहते हैं, ज्यादा जुबान मत चलाओ। दे दूँगा तुम्हारे पैसे। बहुत बोलते हो तुम। खा नहीं जायेंगें तुम्हारे पैसे।

महेश कुमार केशरी
ष्ट/ह्न -मेघदूत मार्केट फुसरो
बोकारो झारखंड

बृहस्पीति का 'अतिचारी' गोचर : दुनिया एक बड़ी आर्थिक मंदी की ओर ...

वैदिक ज्यो8तिष में अतिचारी बृहस्पनति का अर्थ है जब गुरु ग्रह किसी राशि में अपनी सामान्यं गति से ज्यावदा तेजी से गोचर करता है। सामान्य0 तौर पर बृहस्पहति को एक राशि से दूसरी राशि में गोचर करने में 12 से 13 महीने का समय लगता है। हालांकि, जब बृहस्प8ति की गति तेज हो जाती है, तब यह जीवन के विभिन्ने पहलुओं जैसे कि करियर, प्रेम जीवन और विकास पर गहरा एवं महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है। अतिचारी का मतलब है 'बहुत तेज' या 'त्वीरित'। बृहस्पनति बुद्धि, समझ और सौभाग्या का प्रतीक है इसलिए जब यह तेज गति से चलता है, तो इसके त्वनरित और गंभीर परिणाम देखने को मिलते हैं।

बृहस्पूति अतिचारी 2032 तक~ अतीत में इसका प्रभाव पिछली शताब्दियों में ऐसे कई मामले सामने आए हैं जब बृहस्पसति ने अतिचारी गति में गोचर किया है और इस दौरान भारत और दुनियाभर में इतिहास की कई घटनाएं घटीं। आपको जानकर हैरानी होगी कि जब कुरूक्षेत्र में ऐतिहासिक महाभारत युद्ध हुआ था, तब बृहस्पनति अतिचारी थे। उस समय कौरवों और पांडवों के बीच जबरदस्तग रक्तकपात के बाद पांडवों ने सत्ता हासिल कर बड़ा परिवर्तन किया था। वहीं द्वितीय विश्वस युद्ध के दौरान भी कई महान ज्योपतिषियों ने बृहस्पसति को अतिचारी देखा था और दुनिया पर मंडरा रहे बड़े खतरे की भविष्ययवाणी की थी। उस समय सेना और आम नागरियों को मिलाकर कुल 75 मिलियन लोग मारे गए थे। 15 अगस्तव, 1947 को भारत की स्वततंत्रता एक और बड़ी घटना थी। यह भी सत्ता में बड़ा बदलाव था और इस बार भी खूब रक्तखपात हुआ था। कोरोना वायरस ~एक वैश्विक महामारी और आर्थिक मंदी साल 2020 में बृहस्पजति के फिर से तेज गति से चलने की वजह से दुनिया को कोरोना वायरस जैसी महामारी का प्रकोप झेलना पड़ा। इस महामारी ने हर तरीके से परेशानियां खड़ी की, लोग बेघर हो गए, नौकरियां चली गईं, दुनियाभर में कई लोगों की जान गई और वैश्विक अर्थव्यदवस्थाि में जबरदस्तर गिरावट देखने को मिली।

हालांकि, कोविड-19 को राहु-केतु की चाल और प्रभाव से भी जोड़कर देखा जाता है लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि कोरोना वायरस को बहुत ही कम समय में तेजी से फैलाने में बृहस्तिा की भी अहम भूमिका रही है। सरकार अर्थव्यिरवस्था धर्म यह घटना और बृ?हस्पमति की तेज गति दुनियाभर में कई युद्धों को तेज करने का काम कर सकती है। जैसा कि हम पहले से ही देख रहे हैं कि रूस और यूक्रेन के बीच चल रहा युद्ध अभी तक किसी निष्कुर्ष पर नहीं पहुंचा है और फरवरी 2022 से ही युद्ध चल रह है। वहीं दूसरी ओर, इज़राइल अपनी ही परेशानियों से जूझ रहा है। वहीं 29 मार्च, 2025 को शनि के मीन राशि में प्रवेश करने के बाद 30 मार्च, 2025 को छह ग्रहों की मीन राशि में युति हो चुकी है। यह स्थिति अतिचारी बृहस्पमति के साथ मिलकर दुनिया को एक बड़ी आर्थिक मंदी की ओर धकेल सकती है जो कि 1929 की तरह ही भयानक हो सकती है। ज्योरतिष शास्त्री के अनुसार जब शनि और राहु की युति होती है, तब यह लोगों और अन्यम प्रमुख अर्थव्यववस्थाओं के लिए वित्तीय संकट का समय होता है। ऐसा भी कहा जाता है कि जब शनि बृहस्प ति की किसी भी राशि में गोचर करता है, तब वैश्विक स्ततर पर 'दुर्भिक्षा' या मंदी की? स्थिति बन सकती है क्योंकि बृहस्पदति धन का कारक हैं और शनि दरिद्रता का कारक हैं। इसलिए जब शनि बृहस्परति की राशि में होता है, तो धन के मामले में हमेशा असंतुलन की स्थिति पैदा होती है। 2025 की शुरुआत से ही विभिन्नल धर्मों और संस्कृभति के लोग अपनी परंपराओं एवं संस्कादरों को बनाए रखने को लेकर अधिक कट्टर और दृढ़ हो सकते हैं। चाहे वह भारत हो, अमेरिका हो या फिर कोई अन्यत देश हो, लोग अपने धर्म को थोपने में अधिक कठोरता दिखा सकते हैं या फिर नौकरियों और सेवाओं आदि में विदेशियों की तुलना में अपने समुदाय के लोगों को प्राथमिकता देने की प्रवृत्ति दिख सकती है। बृहस्सि अतिचारी 2032 तक~ 12 राशियों पर प्रभाव मेष राशि मेष राशि के नौवें और बारहवें भाव का स्वाामी ग्रह बृहस्पनति है। कुंडली का नौवां भाव धर्म का और बारहवां भाव अलगाव या विदेश यात्रा का कारक होता है। साल 2025 में 01 मई से ही बृहस्पिति मेष राशि के तीसरे भाव में विराजमान है। बृहस्पनति की नौवें भाव पर दृष्टि पड़ने की वजह से इस समय आपकी आध्याईत्मिक कार्यों में अधिक रुचि हो सकती है। कुछ लोगों के लिए विदेश यात्रा या विदेश में बसने के योग बन सकते हैं जिससे उन्हेंश निश्चित रूप से लाभ होगा। बृहस्पएति लेखकों, मीडियाकर्मियों, कलाकारों आदि को उत्तम परिणाम प्रदान करेगा। हालांकि, बृहस्पंति की नौवें भाव पर दृष्टि पड़ने की वजह से आप धार्मिक या आध्याीत्मिक कार्यों में धोखाधड़ी का शिकार हो सकते हैं। वृषभ राशि

वृषभ राशि के आठवें और ग्या?रहवें भाव का स्वाधमी बृहस्पकति ग्रह है। कुंडली का आठवां भाव आकस्मिक घटनाओं और ग्या।रहवां भाव बड़े भाई-बहनों का कारक होता है। बृहस्पिति आय और पारिवारिक संपत्ति का कारक है। गुरु का दूसरे भाव में होना अत्यूंत शुभ माना जाता है। आमतौर पर यह सौभाग्यत, आर्थिक समृद्धि और मज़बूत नैतिक मूल्योंक का संकेत देता है। आठवें भाव का स्वायमी होने की वजह से बृहस्पोति आपके लिए वित्तीय समस्याारएं पैदा कर सकते हैं। वहीं अतिचारी बृहस्पवति आपकी सेहत पर भी नकारात्म क प्रभाव डालेंगे लेकिन आपको कुछ लाभ भी दे सकते हैं। यह समय आपके लिए औसत रहेगा।मिथुन राशि मिथुन राशि के पहले घर में बृहस्पति का गोचर होने जा रहा है और इस राशि के सातवें और दसवें भाव का स्वामी बृहस्पति है। इस गोचर से उत्पन्न किसी भी प्रकार के अप्रिय विचार से बचने के आपको सचेत प्रयास करना चाहिए। आपको इस समय दीर्घकालिक लाभ मिलने को संभावना कम है। करियर की बात करें, तो आपको काम के सिलसिले में यात्रा करनी पड़ सकती है या नौकरी में बदलाव के भी योग हैं लेकिन ये विकल्प उतने अच्छे नहीं होंगे जितनी आप उम्मीद कर रहे हैं। यदि इस समयावधि में व्यापारियों को अपनी उम्मीद के अनुसार लाभ न मिला तो, उन्हें चिंता हो सकती है। आप आर्थिक रूप से स्थिर हो सकते हैं लेकिन फिर भी आपको लगेगा कि आपको आमदनी आपके खर्चों को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है। आपके और आपके पार्टनर के बीच अहंकार के कारण मतभेद हो सकते हैं जिससे आपके रिश्ते का संतुलन बिगड़ सकता कर्क राशि कर्क राशि के छठे और नौवें भाव का स्वामी बृहस्पति है और अब वह आपके बारहवें भाव में हैं। इस घटना के कारण आपको अपने बढ़ते हुए दायित्वों को संभालना मुश्किल हो सकता है। इस समय आपको लोन लेने के लिए दबाव महसूस कर सकते हैं। करियर की बात करें, तो आपको अपनी नौकरी में दबाव महसूस हो सकता है जो कि इस समयावधि में आऊ ज्यादा बदतर हो सकता है। व्यापारी नई चीजें करने के लिए प्रेरित हो सकते हैं जिससे उन्हें पैसा कमाने में मदद मिलेगी। हालांकि, कंपनी के सफल होने के लिए सावधानीपूर्वक योजना बनाने की ज़रूरत है। वित्त की बात करें तो इस समय आपको धन को सावधानीपूर्व संभालने की ज़रूरत है क्योंकि लापरवाही की वजह से परेशानियां हो सकती हैं। सिंह राशि सिंह राशि के पांचवें और आठवें भाव का स्वामी बृहस्पति है और अब वह आपके ग्यारहवें भाव में गोचर करने जा रहा है। आपकी इच्छाएं पूरी होंगी और आपको अचानक लाभकारी अनुभव हो सकते हैं। नौकरीपेशा जातक लगातार प्रगति करेंगे और दीर्घकालिक सफलता के लिए आधार तैयार करेंगे। इस समय आपके प्रयासों को पहचान मिलेगी। अगर आप खासतौर पर ट्रेडिंग या स्टॉक के बिजनेस करते हैं, तो इस दौरान आपकी अच्छी आमदनी होगी और आपको रोमांचक अवसर प्राप्त होंगे। वित्त की बात करें, तो आपको बड़ा लाभ हो शक्तभाई और आपको अपनी बचत के अवसर बढ़ाने के अवसर मिलेंगे। कन्या राशि कन्या राशि के चौथे और सातवें भाव का स्वा मी बृहस्पंति है जो कि अब आपके दसवें भाव में प्रवेश करने जा रहा है। इस समय आप कम सहज महसूस कर सकते हैं। लेकिन आप अपने रिश्तोंं और करियर पर अधिक ध्याअन देते हुए नज़र आएंगे। करियर की बात करें, तो आपकी नौकरी में लाभकारी बदलाव होने की संभावना है। व्याअपारियों को उच्च आय के लिए पर्याप्त अवसर प्राप्तक होंगे जिससे आप उल्लेपखनीय उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। वित्त की बात करें, तो इस समयावधि में आपकी आमदनी में बढ़ोतरी होने के संकेत हैं और इसका श्रेय आपके भाग्यी को जाता है। तुला राशि तुला राशि के तीसरे और छठे भाव का स्वाइमी बृहस्पकति इस राशि के नौवें भाव में अतिचारी है। इस समय आप अपनी काबिलियत से ज्यीदा कुछ हासिल कर सकते हैं और आपको यात्रा करने के अधिक अवसर मिलेंगे। अब आपको अपनी कड़ी मेहनत का फल मिलना शुरू हो सकता है। करियर की बात करें, तो आपको विदेश से नए अवसर मिलने की संभावना है जो आपके लिए अनुकूल साबित होंगे। यदि आप व्यारपार करते हैं, तो आप इस समय नई व्या वसायिक योजनाएं बना सकते हैं जिनमें अधिक धन कमाने की क्षमता होगी। वित्तीय जीवन की बात करें, तो इस समय आप आर्थिक रूप से मज़बूत रहेंगे। आपको यात्रा के ज़रिए अधिक धन कमाने के अवसर मिलेंगे। निजी जीवन में आपका जीवनसाथी आपकी ईमानदारी की सराहना कर सकता है। वृश्चिक राशि अतिचारी बृहस्पभति वृश्चिक राशि के आठवें भाव में हैं जिससे आपके लिए कुछ कठिनाईयां उत्प न्न हो सकती हैं। इस राशि के दूसरे और पांचवे भाव के स्वारमी बृहस्पवति हैं। अगर आप नौकरी के नए अवसरों को अनदेखा करते हैं, तो आपको अपने करियर में परेशानियां हो सकती हैं। इस समयावधि में आपको अपने वरिष्ठव अधिकारियों से बात करते समय सावधान रहने की ज़रूरत है क्योंनकि इस दौरान कार्यक्षेत्र में समस्यांएं पैदा हो सकती हैं। यदि आप व्येवसाय करते हैं, तो आपके अवसरों और आमदनी में गिरावट आने की आशंका है। इन अड़चनों से उबरने के लिए व्योवस्थित और रणनीतिक योजना बनाना आवश्याक है। आपको काम के सिलसिले में अधिक यात्रा करनी पड़ सकती है और इनमें से कुछ यात्राएं मुश्किल साबित होंगी। व्याभपारियों के लिए इस समयावधि में अधिक लाभ अर्जित करना प्राथमिकता रहने वाली है। अगर आप रणनीतिक योजना के साथ आगे बढ़ते हैं, तो आपके प्रयास अच्छे वित्तीय परिणाम देंगे और आप धन संचय भी कर सकते हैं। मकर राशि मकर राशि के छठे भाव में बृहस्सि रहेंगे और इस राशि के तीसरे और बारहवें भाव के स्वातमी बृहस्पयति हैं। इस समय आपको अप्रत्या शित आय होने के संकेत हैं। बृहस्पनति के अतिचारी होने के दौरान लोन लेना भी आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। आप अपने काम में अधिक रुचि लेंगे और सेवा भावना से प्रेरित होकर काम कर सकते हैं जिससे आपको संतुष्टि महसूस होगी। हालांकि, अगर आप बिज़नेस करते हैं, तो आपको इस समय अपने व्यरवसाय के दायरे को सीमित करने की आवश्यहकता हो सकती है क्योंकि इस दौरान आपके लिए मुनाफा कमाना कठिन हो सकता है। आपके खर्चों में वृद्धि होने और वित्तीय नुकसान के योग बन रहे हैं जिससे नई जिम्मेकदारियों के चलते लोन लेने की ज़रूरत बढ़ सकती है। कुंभ राशि बृहस्पिति इस राशि के दूसरे और ग्याकरहवें भाव के स्वाहमी हैं जो कि अब आपके पांचवे भाव में उपस्थित हैं। इससे आपको अनुकूल और लाभकारी परिणाम प्राप्ता होंगे। इस समय आप आत्मकविश्वाास से भरपूर और आशावादी महसूस करेंगे। करियर के मामले में आप अपनी स्थिति से संतुष्ट्र रहने वाले हैं। इसके अलावा आपको अपने प्रयासों के लिए सराहना और मान्यकता मिल सकती है। यदि आप व्या पार करते हैं, तो इस समय आपको सफलता मिलेगी और खासतौर पर ट्रेडिंग और शेयर मार्केट में काम करने वाले लोगों की आय में वृद्धि देखने को मिलेगी। आपकी आमदनी में तेजी से बढ़ोतरी होने के आसार हैं। जैसे-जैसे आप अधिक पैसा बचाने की मानसिकता रखेंगे, वैसे-वैसे आपको अधिक धन कमाने और बचाने के वित्तीय अवसर प्राप्ता होंगे। मीन राशि मीन राशि के पहले और दसवें भाव के स्वादमी बृहस्पलति हैं जो कि अब आपके चौथे भाव में हैं। इससे आपको अधिक सुख-सुविधा मिल सकती है। इस समय आप अपने करियर को लेकर अधिक ध्या न केंद्रित रहेंगे। आपको यात्रा करने के अधिक अवसर मिलेंगे और आप शायद स्थानांतरण भी कर सकते हैं।

आपका आत्माविश्वाणस और तेजी से निर्णय लेने की क्षमता आपको अपने कार्यक्षेत्र में बड़ी सफलता और प्रगति दिला सकती है। यदि आप व्यापार करते हैं, तो आप विभिन्ना व्यातवसायिक कार्यों में सफल होंगे, अधिक पैसा कमाएंगे और आपको महत्वधपूर्ण लाभ मिल सकता है। धन की बात करें, तो इस समय आपकी आय और खर्चों दोनों में वृद्धि देखने को मिलेगी। आपका पारिवारिक कार्यक्रमों और स्वाधस्य्ते पर खर्चा हो सकता है।

गुरु महेश जैन
इंटरनेशनल ज्योतिषाचार्य
अनुष्ठानकर्ता
राणापुर जिला झाबुआ
मध्यप्रदेश
7000098868

व्यापार....व्यवसाय....व्यापार....व्यवसाय....व्यापार....व्यवसाय....व्यापार....व्यवसाय....व्यापार....

शेयर बाजार में हरे निशान पर क्लोजिंग

सेंसेक्स 309 अंक चढ़ा, निफ्टी 23450 के करीब पहुंचा

नई दिल्ली। बैंकिंग शेयरों में खरीदारी और विदेशी फंड के ताजा प्रवाह के कारण बुधवार को शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी लगातार तीसरे दिन बढ़त के साथ बंद हुए। खुदरा मुद्रास्फीति के छह साल के निचले स्तर पर पहुंचने से ब्याज दरों में और कटौती की उम्मीद बढ़ी है, इसका बाजार के मूड पर सकारात्मक असर पड़ा।

वैश्विक बाजार में कमजोर रुख को दरकिनार करते हुए 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स बुधवार को उतार-चढ़ाव भरे सत्र में 309.40 अंक या 0.40 प्रतिशत चढक़र दो सप्ताह के उच्चतम स्तर 77,044.29 पर बंद हुआ। कमजोर शुरुआत के बाद, सत्र के दौरान सूचकांक कई बार हरे और लाल निशान के बीच झूलता दिखा। सेंसेक्स 566.46 अंकों की तेजी के साथ 77,110.23 के उच्चतम और 76,543.77 के निम्नतम स्तर तक पहुंचा। दूसरी ओर, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 108.65 अंक या 0.47 प्रतिशत बढक़र 23,437.20 अंक पर पहुंच गया। विश्लेषकों के अनुसार बाजार में महंगाई से जुड़े सकारात्मक आंकड़ों और सामान्य मानसून के पूर्वानुमान से भी निवेशकों के बीच खरीदारी की धारणा को बढ़ावा मिला। सेंसेक्स के शेयरों में इंडसइंड बैंक के शेयरों में सबसे ज्यादा 7.12 फीसदी की तेजी आई। बैंक ने बताया कि वैश्विक एजेंसी पीडब्ल्यूसी ने डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में अकाउंटिंग खामियों के कारण बैंक के नेटवर्थ पर 1,979 करोड़ रुपये का नकारात्मक प्रभाव पडऩे का आकलन किया है। वहीं, एक्सिस बैंक में 4.26 फीसदी की तेजी आई जबकि अदाणी पोर्ट्स में 1.81 फीसदी की तेजी आई। एशियन पेंट्स, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक और आईटीसी के शेयरों में तेजी आई। मारुति के शेयर सबसे ज्यादा 1.51 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुई।

मार्च माह में सस्ती हुई खाने-पीने की चीजें, लोगों के साथ सरकार को भी मिली राहत

नई दिल्ली । मार्च 2025 में महंगाई से राहत मिली। खासकर खाद्य वस्तुओं और सब्जियों की कीमतों में आई गिरावट ने न केवल आम लोगों को राहत दी बल्कि केंद्र सरकार को भी राहत मिली। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक मार्च में खुदरा महंगाई दर केवल 3.34 फीसदी रही जो फरवरी में 3.61 फीसदी थी। यह 67 महीने में सबसे कम वृद्धि है जो अगस्त 2019 के बाद देखी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक मार्च में थोक महंगाई दर घटकर 2.05 फीसदी पर आ गई जबकि फरवरी में यह 2.38 फीसदी थी। इससे साफ है कि महंगाई पर काबू पाने में सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की नीतियों का असर है। मार्च में खाद्य महंगाई की रफ्तार सुस्त हुई है। खुदरा बाजार में खाद्य उत्पादों की कीमतों में 2.69 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई जबकि थोक बाजार में यह 1.57 फीसदी रही। यह दर्शाता है कि कीमतों में बढ़ोतरी की गति धीमी हो गई है जिससे आम आदमी को राहत मिली है। खासकर सब्जियों और प्रोटीन उत्पादों की कीमतों में गिरावट आई है जो खाद्य महंगाई को नियंत्रित करने में मददगार साबित हुई। खाद्य महंगाई नवंबर 2021 के बाद मार्च 2025 में सबसे कम रही है। मार्च में खाद्य महंगाई दर 2.69 फीसदी रही जो नवंबर 2021 के बाद का सबसे निचले स्तर पर था। इसमें प्रमुख योगदान सब्जियों और दालों की कीमतों में आई गिरावट का है। हालांकि कुछ खाद्य वस्तुओं जैसे फल और खाद्य तेल की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिली है।

सोने ने लगाई छलांग 95 हजार पर पहुंचा, चांदी की चमक भी बरकरार

नई दिल्ली। बुधवार को सोने के भाव ने घरेलू वायदा बाजार में पहली बार 95,000 का आंकड़ा पार किया। यह अब तक का इसका सबसे ऊंचा भाव है। सोना 95,090 रुपए प्रति 10 ग्राम के नए टॉप पर पहुंच गया और बाद में कुछ गिरावट के बाद 95,000 पर कारोबार हुआ। बुधवार दोपहर तक सोने की कीमत में 1.66 फीसदी की बढ़ोरती देखने को मिली। चांदी ने भी वायदा बाजार में अच्छी बढ़त दर्ज की, इसकी कीमतें 1.56 फीसदी बढ़कर एमसीएक्स पर 96,253 रुपए प्रति किलो हो गईं। इसने दिन के भीतर 96,344 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर भी छुआ।

कीमतों में यह उछाल कमजोर डॉलर और ट्रंप के टैरिफ वॉर के बीच जारी अनिश्चितता के चलते आई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने की कीमतें गिरते डॉलर, व्यापार को लेकर बने तनाव और वैश्विक आर्थिक वृद्धि को लेकर चिंताओं से रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गईं। स्पॉट गोल्ड 1.7 फीसदी बढ़कर अंतरराष्ट्रीय बाजार में 3,282.88 डॉलर प्रति औंस पर पहुंचा, जो पहले 3,290.1 डॉलर प्रति औंस के नए उच्च स्तर पर था। अमेरिकी गोल्ड फ्यूचर्स 1.8 फीसदी बढ़कर 3,299.60 डॉलर पर पहुंच गया। डॉलर इंडेक्स अपने प्रतिद्वंद्वियों के मुकाबले 0.5 फीसदी गिर गया, जिससे

अन्य करेंसी होल्डर्स के लिए सोना ज्यादा आकर्षक हो गया। पारंपरिक रूप से सोने को भू-राजनीतिक और आर्थिक अनिश्चितताओं के समय सुरक्षित निवेश माना जाता है और इस साल इसने कई रिकॉर्ड को छुआ, जिससे इसकी कीमत में 25 फीसदी से ज्यादा बढ़ी। प्रमुख बैंकों को आगामी तिमाहियों में सोने की संभावनाओं पर भरोसा है। गोल्डमैन सैक्स ग्रुप का अनुमान है कि 2026 के मध्य तक कीमतें 4,000 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकती हैं। सिंगापुर स्थित डीलर गोल्डसिल्वर सेंट्रल के प्रबंध निदेशक ने कहा कि जब तक अनिश्चितता रहेगी, सोना मजबूत रहेगा। सोने में निवेश भारतीय संस्कृति का अहम हिस्सा है, जो वित्तीय सुरक्षा के लिए भी अहम है। निवेशक के पास सोने में निवेश के कई तरीके हैं। फिजिकल गोल्ड रखना अब तक काफी आम तरीका है, लेकिन अब यह काफी तेजी से बदल रहा है और लोग डिजिटल गोल्ड और ईटीएफ की तरफ मूव कर रहे हैं। फिजिकल गोल्ड में निवेश के तहत गहने, सिक्के और बिस्किट शामिल हैं। गहनों में मेकिंग चार्ज और सुरक्षा की चिंता होती है, जबकि गोल्ड बिस्किट और सिक्के शुद्धता के लिहाज से बेहतर होते हैं, इन्हें संभाल कर रखना जरूरी होता है। डिजिटल गोल्ड 100 रुपए जैसी छोटी राशि से पेटीएम, फोनपे या गूगलपे जैसे ऐप्स से खरीदा जा सकता है और इसे सुरक्षित वॉल्ट में रखा जाता है। अनुभवी निवेशकों के लिए गोल्ड फ्यूचर्स एक ट्रेडिंग करने का विकल्प भी है, लेकिन उसमें रिस्क ज्यादा होता है और यह तेजी से लाभ या नुकसान देता है।

बाबा साहब मानव जाति के उत्थान के लिए आशा की किरण

इंदौर। विश्व रत्न डॉ बाबा साहेब आंबेडकर की 134 जन्म दिवस पर गीताभवन चौराह पर द ऑल इंडिया जनरल इंश्योरेंस एसी एसटी वेलफेयर एसोसिएशन और अजाक्स संगठन द्वारा हर्ष उल्लास के साथ बाबा साहेब आंबेडकर की134 वी जयंती मनाई गई। इस अवसर पर किन्नर अखाड़े की सीमा कुंवर महामंडलेश्वर, नेहा कुंवर महामंडलेश्वर, तथा किन्नर समाज के समस्त जनों ने मंच पर आकर अपने विचार रखे और बाबा साहेब आंबेडकर को इस सदी का विश्व का महामानव बताया। इसके अलावा जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी और महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने मंच पर आकर संविधान और बाबा साहेब के जीवन पर प्रकाश डाल।

एसोसिएशन के समस्त पदाधिकारी जिसमें के सी मोहने, शशिकांत वानखेडे, महेंद्र जाधव, पी सी निहोरे, त्रिलोक भलावे, महेंद्र कैरो, दिलीप टेटवाल, हरि ओम ओ पी जोड़वाल , पी सी निहोरे आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन शशिकांत वानखेडे और आज़ाक्स के कारण भगत ने किया और आभार गंगाधर जारवाल ने माना।

नि:शुल्क न्याय परामर्श शिविर आयोजित

इन्दौर। विधिक जागरूकता बढ़ाने व आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद व्यक्तियों को निःशुल्क कानूनी परामर्श प्रदान कर उनकी समस्या का समाधान करने के उद्देश्य से बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में भाजपा नेता राजा कोठारी, लता कैथवास के सौजन्य से अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद मालवा प्रांत उच्च न्यायालय इकाई द्वारा निःशुल्क न्याय परामर्श शिविर का आयोजन विनोबा नगर में किया गया। शिविर में विधायक महेंद्र हार्डिया, नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा भी उपस्थित रहे। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों द्वारा उपस्थित होकर अपनी समस्याएं साझा की गईं व कानूनी परामर्श प्राप्त किया गया। शिविर के आयोजन में सुनील जैन, प्रसन्ना भटनागर, अर्चना माहेश्वरी, मनुराज सिंह, मयंक वर्मा, प्राची वैष्णव एवं अश्विन उज्जैनकर का विशेष योगदान रहा।

मंद बुद्धि बच्चों को चिप्स बिस्किट गोली चॉकलेट वितरण

इंदौर। अम्बेडकर जयंती के मौके पर शहर में कई जगह अलग अलग प्रोग्राम आयोजित किये गए समाज सेवियो ने गरीबो को खाना खिलाया तो किसी ने वृध्द आश्रम में जाकर अपनी खुशियां बाटी इसी तारतम्य में इंदौर शहर के समाज सेवी सलीम मेमन नुरशुमार ने मंद बुद्धिआश्रम पँहुच कर बच्चों को गोली बिस्कुट चिप्स बाटी ये मंद बुद्धि बच्चों ने बिस्किट चिप्स देख कर फुले नही समा रहे थे बच्चों की खुशी का ठिकाना नही था सलीम मेमन ने बताया कि हमारी संस्था के माध्यम से हम करीब दस सालों से ख़िदमत को अंजाम दे रहे हैं कभी किसी की जयंती पे तो कभी किसी गरीब को उसका हक दिलवाकर ख़ुशी मिलती है हमारी टीम मिलजुलकर मानवता की लिए हर मुमकिन काम करने को तैयार खड़ी रहती है । इस मौके पर इक़बाल खान RPI प्रदेश अध्यक्ष एहसान खान सलीम मेमन नुरशुमार नासिर खान शेख महमूद सिटीजन वाहिद अली समाज सेवी वकील पठान पत्रकार आरीफ बरकाती शेख शाहिद और अन्य लोग मौजूद थे

रॉयल क्षत्राणी संगम क्लब राजपूत क्षत्राणियों द्वारा बड़ी धूमधाम से मनाया गणगौर महोत्सव

इंदौर। संस्कृति और परंपराओं से जुड़े रहने का संदेश देने के लिए गणगौर महोत्सव रॉयल क्षत्राणी संगम क्लब राजपूत क्षत्राणियों द्वारा बड़ी धूमधाम से होटल सयाजी में आयोजित किया गया। गणगौर महोत्सव आयोजक डॉ.मनोरमा सिंह, डॉ.पूजा सिंह डॉ.दीप्ति सिंह हाड़ा के नेतृत्व में यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। महोत्सव में बड़ी संख्या में क्षत्राणियों ने भाग लिया और विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जितेंद्र कुमारी परमार झाबुआ और बिंदु चौहान उपस्थित थे। कार्यक्रम में गीतांजलि राणावत,नम्रता सिंह कुशवाह ,उमा सिंह गौड़,चंद्रप्रभा सिंह शोभा सिंह,सोनिया सिंह,गौड़,सविता परिहार,रेखा बघेल ममता जादौन,गीता गौतम उपस्थित थे। सभी प्रतिभागियों ने शहर को स्वच्छ रखने का संदेश दिया है।

संस्कृति और परंपराओं को जीवंत बनाए रखने का महत्वपूर्ण माध्यम-आयोजक डॉ.मनोरमा सिंह सोलंकी ने बताया कि महोत्सव में ग्रुप डांस,गणगौर प्रतियोगिता जैसे कई भव्य आयोजन हुए। कार्यक्रम के अंत में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया, जिसमें बेस्ट पोशाक, बेस्ट मेहंदी, बेस्ट डांस, और बेस्ट ज्वेलरी के लिए विशेष पुरस्कार प्रदान किए गए। आयोजक डॉ.दीप्ति सिंह हाड़ा ने कहा कि ÷ऐसे आयोजन हमारी संस्कृति और परंपराओं को जीवंत बनाए रखने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। त्यौहारों के माध्यम से हमें अपनी जड़ों से जुड़े रहने की प्रेरणा मिलती है। जीवन में कितनी भी ऊंचाइयों को छू लें, अपनी संस्कृति और परंपराओं को नहीं भूलना चाहिए। आयोजक डॉ.पूजा सिंह ने कहा कि सभी प्रतिभागियों और अतिथियों का आभार व्यक्त किया ।उन्होंने कहा कि ÷राजपूत क्षत्राणियों का यह आयोजन हर वर्ष और भी भव्य स्तर पर आयोजित किया जाएगा, ताकि हमारी परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुँचाया जा सके।

एमपीपीएससी द्वारा प्रारंभिक परीक्षा कें कटऑफ मार्क पेश करने के बावजूद राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2025 पर रहेंगी रोक

इन्दौर एपीपीएससी की ओर से सीलबंद लिफाफे में प्रारंभिक परीक्षा के कटआफ मार्क्स पेश किए जाने के बाद भोपाल निवासी सुनीत यादव सहित अन्य की और से दायर याचिका पर सुनवाई करते हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत व न्यायमूर्ति विवेक जैन की युगलपीठ ने राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2025 पर अंतरिम रोक बरकरार रखी है। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर व विनायक प्रसाद शाह ने पक्ष रखते दलील दी कि मप्र लोक सेवा आयोग ने कुल 158 पदों की भर्ती के लिए पांच मार्च, 2025 को प्रारंभिक परीक्षा परिणाम घोषित किया था। इसमें वर्गवार कटआफ मार्क्स जारी नहीं किए गए हैं। मामले की प्रारंभिक सुनवाई के दौरान कोर्ट ने एमपीपीएससी को आदेशित किया था कि अदालत की अनुमति के बिना मुख्य परीक्षा आयोजित न करें। पूर्व आदेश के पालन में एपीएससी की ओर से मंगलवार को सीलबंद लिफाफे में प्रारंभिक परीक्षा के कटआफ मार्क्स पेश किए गए। लेकिन कोर्ट ने अपना आदेश बरकरार रखा।

दिव्य विहार कॉलोनी की समस्याओं को लेकर रहवासियों ने दिया कलेक्टर को आवेदन, तत्काल जारी हुआ नोटिस'

इंदौर। दिव्य विहार कॉलोनी के रहवासियों ने आज सामूहिक रूप से कलेक्टर कार्यालय में पहुँचकर अपनी कॉलोनी से जुड़ी गंभीर समस्याओं के समाधान हेतु एक आवेदन प्रस्तुत किया। उल्लेखनीय है कि आवेदन सौंपे जाने के कुछ ही देर बाद प्रशासन की ओर से तत्काल एक नोटिस भी जारी किया गया, जिससे रहवासियों में आशा की किरण जगी है।

जनसुनवाई के दौरान कॉलोनीवासियों ने बताया कि उन्होंने अपनी जीवन भर की पूंजी लगाकर दिव्य विहार कॉलोनी में घर खरीदे हैं, लेकिन अब वे मूलभूत सुविधाओं के अभाव में जीवन यापन कर रहे हैं। कॉलोनी में न तो ओवरहेड पानी की टंकी है, न ही सभी घरों तक पानी पहुँचाने की व्यवस्था। इसके अलावा, एसटीपी प्लांट पिछले एक वर्ष से बंद है, जिससे सीवेज ट्रीटमेंट ठप है और संक्रमण का खतरा बढ़ गया है।

रहवासियों ने आरोप लगाया कि कॉलोनी के डवलपर श्री जितेन्द्र भाई दवे (दवे का दिव्य गरम मसाला वाले) ने वादे के अनुसार सुविधाएँ उपलब्ध नहीं कराईं। क्लब हाउस और मंदिर निर्माण अधर में हैं, गार्डन की देखरेख नहीं होती, सुरक्षा का कोई इंतजाम नहीं है और स्ट्रीट लाइट्स वर्षों से खराब हैं। अंडरग्राउंड केबल में पानी भरने से गंभीर दुर्घटना की आशंका भी जताई गई।

प्रवीण शर्मा (रहवासी प्रतिनिधि) ने कहा, यह सिर्फ हमारी कॉलोनी का नहीं, बल्कि पूरे शहर की नागरिक सुरक्षा और बुनियादी अधिकारों का मुद्दा है। हम चाहते हैं कि प्रशासन इस पर सख्त कार्रवाई करे ताकि भविष्य में कोई और कॉलोनी ऐसे हालात का शिकार न हो।

इस जनहित मुद्दे की कवरेज के लिए मीडिया संस्थानों को पूर्व में आमंत्रण भी भेजा गया था, जिससे व्यापक समर्थन प्राप्त हुआ। रहवासियों ने प्रशासन से शीघ्र जांच एवं आवश्यक कार्रवाई की मांग की है।

डा. सुनीता फड़नीस की तीन पुस्तकों का लोकार्पण सम्पन्न

इंदौर। सत्यम शिवम सुन्दरम के आधार पर साहित्य सृजन करना चाहिए सत्यम शिवम सुन्दरम के आधार पर साहित्य सृजन करना चाहिए। ज्ञान विज्ञान का मूल सत्य है। इसके आधार पर किया गया लेखन ही श्रेष्ठ है। सत्य कहने का सामर्थ्य केवल साहित्यकार के पास, सत्य कहने से नहीं चूकना चाहिए। यह बात देवपुत्र पत्रिका के संपादक गोपाल माहेश्वरी ने इन्दौर प्रेस क्लब में इन्दौर लेखिका संघ के तत्वावधान में लेखिका डा सुनीता फड़नीस की तीन पुस्तकों कथा संग्रह-गुलमोहर, आलेख संग्रह-व्यथा वसुंधरा की, बाल कथा संग्रह-गुल्लक के लाकार्पण अवसर पर कही।

कार्यक्रम की शुरुआत शोभा दुबे ने सरस्वती वंदना के साथ की।

इस अवसर पर पर्यावरणविद डा.ओ पी जोशी ने किताब व्यथा वसुंधरा की आलेख संग्रह पर चर्चा करते हुए कहा कि इस संग्रह में पर्यावरण के सभी भागों में व्याप्त समस्याओं एवं उससे जुड़े विषयों को रोचक ढंग से तथ्यों के साथ भविष्य के खतरों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए समझाया गया है।

डा.कला जोशी ने गुलमोहर कथा संगह पर कहा कि शब्दों की धारा जो बाहर से अंतर्मन में प्रवेश करती है वही धारा रचना की आधार बनती है। पुस्तक गुल्लक पर चर्चा करते, हुए विनीता तिवारी ने कहा कि आज बच्चों में संवेदनशीलता खत्म होती जा रही ही। डर है कि कहीं बच्चों का बचपन ही न खो जाए। हमें बचपन से ही इस और ध्यान देना होगा।इस संग्रह की कथाओं में सिक्कों की खनक रचनाओं में सुनाई देती है। स्वाती तिवारी, श्रीराम माहेश्वरी ने भी अपने विचार व्यक्त किये। संचालन सुरेखा सिसौदिया ने किया। आभार मणिमाला शर्मा ने माना। इस दौरान सन्ध्या राय चौधरी, मणिमाला शर्मा, प्रभा जैन, कुसुम सोगानी, अचला गुप्ता, नमिता दुबे, डा रजनी भन्डारी प्राची फड़नीस सहित लेखिका संघ की कई सदस्य एवं प्रदीप फड़नीस, विनीत फड़नीस, मुकेश इन्दौरी, अर्पण जैन, सहित शहर के कई प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

ट्रैफिक जागरूकता के लिए सुमंत सिंह कछावा का सम्मान

इंदौर (मनीष शर्मा)। वामा साहित्य मंच के तत्वावधान में श्री मध्यभारत हिंदी साहित्य समिति सभागार में आयोजित समारोह में सुप्रसिद्ध लेखिका इंदु पाराशर की तीन पुस्तकों 'मन के मोती', 'सुनो कहानी' और 'यातायात के नियम' का लोकार्पण किया गया। इस कार्यक्रम में साहित्य और समाज सेवा के समन्वय का अनूठा उदाहरण देखने को मिला, जब इंदौर ट्रैफिक पुलिस में पदस्थ आरक्षक सुमंत सिंह कछावा को ट्रैफिक जागरूकता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

उन्होंने कहा कि सुमंत सिंह कछावा केवल एक जिम्मेदार ट्रैफिक पुलिसकर्मी ही नहीं हैं, बल्कि वे एक सृजनशील व्यक्तित्व भी हैं, जो कविताओं, लेखों, वीडियो संदेशों और 'ट्रैफिक की पाठशाला' जैसे नवाचारों के माध्यम से आमजन को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक कर रहे हैं। उनके रचनात्मक प्रयासों ने न केवल युवाओं बल्कि बच्चों में भी यातायात नियमों के पालन की चेतना को विकसित किया है। वे स्वयं अभिनय कर, शहर की सड़कों पर भावनात्मक और प्रेरणादायक रील्स बनाते हैं, जो सोशल मीडिया पर खूब सराही जाती हैं। कार्यक्रम में लेखिका इंदु पाराशर ने कहा कि सड़कों पर बढ़ते हादसों को देखते हुए अब यह अत्यंत आवश्यक है कि यातायात नियमों को स्कूल स्तर से ही बच्चों में संस्कारित किया जाए। उन्होंने बताया कि उनकी नई पुस्तक 'यातायात के नियम' इसी सोच को आगे बढ़ाती है और सुमंत सिंह जैसे कर्मशील सिपाही इस सोच को ज़मीनी स्तर पर क्रियान्वित कर रहे हैं। इस अवसर पर मध्यप्रदेश हिंदी साहित्य अकादमी के निदेशक डॉ. विकास दवे, विशेष अतिथि राजेश अवस्थी, वामा साहित्य मंच के पदाधिकारीगण, समाजसेवी, वरिष्ठ नागरिक और युवा बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस आयोजन ने यह संदेश दिया कि जब साहित्य और सेवा एक दिशा में कार्य करें, तो समाज को नई चेतना और दिशा दी जा सकती है।

कालजयी साहित्यकार पुण्य स्मरण श्रृंखला का 107वॉ पुष्प संत पीपा को समर्पित

इंदौर। राजस्थान में 14वीं शताब्दी में जन्में संत पीपा का पूरा नाम प्रतापसिंह खींची था जो बाद में भक्तों के बीच में संत पीपानंदाचार्य के नाम से प्रसिद्ध हुआ। श्री मध्यभारत हिन्दी साहित्य समिति, इन्दौर में आज ऐसे ही समाज सुधारक, निर्गुण भक्ति शाखा के कवि संत पीपा को 107वाँ पुष्प अर्पित किया। उनकी बहुत सी रचनायें गुरु ग्रंथ साहिब में संकलित हैं, जिसमें भक्ति भावना, आत्म ज्ञान, सामाजिक समानता के दर्शन होते हैं। उनके संदर्भ में विचार व्यक्त करते हुए अरविन्द जोशी ने पीपा शब्द की उत्पत्ति और उसका अर्थ बताया। डॉ. आरती दुबे ने निर्गुण काव्य धारा के लोकदेवता के रूप में पूजनीय संत बताया। भरत उपाध्याय ने उनके कुछ दोहे पढ़े। डॉ. उपासना गुप्ता ने गुरु भक्ति के प्रति उनके विचार व्यक्त किये। डॉ. पुष्पेन्द्र दुबे ने संत पीपा और कबीर की तुलना करते हुए कुछ दोहे पढ़े। राधिका इंगले और डॉ. रुपाली सराये ने भी उनके साहित्यिक कृतित्व पर अपने विचार व्यक्त किये। आज के कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि देवी अहिल्या

विश्वविद्यालय, इन्दौर के तुलनात्मक अध्ययनशाला के छात्र-छात्रायें शैक्षणिक यात्रा के संदर्भ में समिति आये जिन्हें समिति के स्थापना से लेकर यहाँ के साहित्यिक कार्यक्रमों, पुस्तकालय तथा वीणा पत्रिका के बारे में बताया गया, जिससे वे काफी प्रभावित हुए और कहा कि हमें यहाँ पर बहुत सी नवीन जानकारियाँ प्राप्त हुईं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अखिलेश राव ने किया अध्यक्षता डॉ. उपासना गुप्ता ने की और अंत में आभार प्रचार मंत्री हरेराम वाजपेयी ने व्यक्त किया। इस अवसर पर श्री अरविन्द ओझा, राजेश शर्मा, अनिल भोजे उपस्थित थे.

कारवां - A Soulful Night" ने रचा सुरों का जादू!

इंदौर, जैन सोशल ग्रुप - क्राउन के द्वारा Playote रिज़ॉर्ट, सुपर कॉरिडोर में ÷कारवां - A Soulful Night का भव्य आयोजन हुआ, जिसने संगीत, परंपरा और उमंग का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया। जैन सोशल ग्रुप क्राउन द्वारा आयोजित इस सांस्कृतिक संध्या ने सभी उपस्थितजनों का मन मोह लिया।शाम की शुरुआत स्वागत, रजिस्ट्रेशन और फोटोशूट से हुई, जिसके बाद मनोरंजक खेलों और स्वादिष्ट डिनर ने माहौल को और भी जीवंत बना दिया। जैसे-जैसे रात ढलती गई, दीप प्रज्वलन एवं मंगलाचरण के साथ वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक रंग में रंग गया।रात का सबसे बड़ा आकर्षण रहा - कोरस बैंड का सूफी म्यूज़िक परफॉर्मेंस, जिसने पूरे माहौल को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके एक के बाद एक शानदार गीतों ने हर दिल को छू लिया और लोगों को संगीत के सागर में डुबो दिया। सुर, लय और ताल की इस रूहानी यात्रा में सभी ने तन-मन से झूमकर हिस्सा लिया।रात्रि के अंत में फरियाली स्नैक्स ने इस यादगार शाम को एक स्वादिष्ट समापन दिया। इस आयोजन में ग्रुप में 140 से अधिक दंपत्ति सदस्य मौजूद थे।आयोजन समिति - राहुल द्रष्टि भंडारी, रिंकश श्रुति वेद, पारुल विजया जैन, दीपक अंकिता कोठारी, यश प्रदिप्ता गोयल, मोहित सिम्मी पांडेया, यश नयना शाह ने इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ग्रुप अध्यक्षा प्रवीण पहाड़िया एवं ग्रुप सचिव श्रीअंकुर पाटनी ने कार्यक्रम का संचालन किया । ग्रुप परम संरक्षक नीलेश छाबड़ा ने सदस्यों का आभार प्रकट किया ।

22 नए रोड प्रोजेक्टों के लिए नेशनल हाईवे के साथ एमओयू साइन

भोपाल- इंदौर हाई स्पीड ग्रीन फील्ड कॉरिडोर के साथ 4 हजार किलोमीटर के फोरलेन होंगे निर्मित, लोक निर्माण विभाग अधोसंरचना विकास पर आधुनिक तकनीक का भी कर रहा है इस्तेमाल

भोपाल (ईएमएस)। सडक़ों का जाल आने वाले कुछ वर्षों में प्रदेश में बिछ जाएगा, क्योंकि केन्द्रीय सडक़ और परिवहन मंत्रालय लगातार हाईवे के विस्तार में जुटा है और अभी इंदौर के पूर्वी और पश्चिमी बायपास के निर्माण को भी हरी झंडी मिल गई, जिसके चलते नेशनल हाईवे ने प्रशासन के राजस्व अमले के साथ गांव-गांव जाकर किसानों से चर्चा कर जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया भी शुरू करवाई है। दूसरी तरफ 22 नई सडक़ों के प्रोजेक्ट का भी एमओयू मध्यप्रदेश शासन और नेशनल हाईवे के बीच हुआ है, जिसमें लगभग 1 लाख करोड़ रुपए की लागत से 4 हजार किलोमीटर लम्बाई की फोरलेन सडक़ें बनेगी।

लोक निर्माण विभाग द्वारा बुनियादी ढांचे को सुदृढ़, पारदर्शी और जनहितकारी बनाने के लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। फिलहाल लोक निर्माण विभाग के अधीन 80,775 किलोमीटर लंबा सडक़ नेटवर्क क्रियाशील है, जिसमें 9,315 किमी राष्ट्रीय राजमार्ग, 11,389 किमी राज्य राजमार्ग, 25,639 किमी मुख्य जिला मार्ग तथा 34,432 किमी अन्य जिला मार्ग शामिल हैं। यह नेटवर्क प्रदेश के ग्रामों, नगरों, कृषि क्षेत्रों और औद्योगिक केंद्रों को एकसूत्र में पिरोने का कार्य कर रहा है। विगत 14 महीनों के दौरान 6,400 करोड़ रुपये की लागत से 5,500 किमी सडक़ों का निर्माण एवं मजबूतीकरण, 345 करोड़ रुपये से 1,500 किमी का डामरीकरण तथा 2,000 करोड़ रुपये से 110 पुलों और एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण किया गया है। वर्तमान में 22,500 करोड़ रुपये लागत की 10,000 किमी सडक़ों एवं 10,463 करोड़ रुपये से 474 पुलों और फ्लाईओवरों पर कार्य प्रगति पर है।

एलिवेटेड कॉरिडोर निर्माण को प्राथमिकता-राज्य सरकार द्वारा ग्वालियर, जबलपुर, भोपाल और इंदौर जैसे प्रमुख शहरों में एलिवेटेड कॉरिडोर निर्माण को प्राथमिकता दी गई है। साथ ही नर्मदा प्रगतिपथ, विंध्य एक्सप्रेस-वे, मालवा-निमाड़ कॉरिडोर, अटल प्रगतिपथ, बुंदेलखंड और मध्य भारत विकास पथ जैसी छह प्रमुख परियोजनाएं प्रारंभ की गई हैं, जो प्रदेश के पिछड़े अंचलों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ेंगी। प्रदेश के लगभग सभी राष्ट्रीय राजमार्गों को फोर लेन में परिवर्तित करने की योजना के अंतर्गत अब तक 4,740 किमी मार्गों का फोर लेन में उन्नयन किया जा चुका है, तथा शेष 3,050 किमी पर कार्य जारी है। इस क्रम में मध्यप्रदेश शासन और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के मध्य हाल ही में 1 लाख करोड़ रुपये की लागत से 4,010 किमी लंबाई की 22 नई सडक़ परियोजनाओं हेतु ऐतिहासिक समझौता संपन्न हुआ है। इसमें इंदौर-भोपाल व भोपाल-जबलपुर हाईस्पीड ग्रीनफील्ड कॉरिडोर, लखनऊ-रायपुर एक्सप्रेसवे, आगरा-ग्वालियर, उज्जैन-झालावाड़, सतना-चित्रकूट और रीवा-सीधी जैसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट शामिल हैं। उज्जैन सिंहस्थ-2028 के दृष्टिगत इंदौर-उज्जैन मार्ग का सिक्स लेन चौड़ीकरण एवं उज्जैन-जावरा ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे का कार्य प्रगति पर है, जो प्रदेश का पहला पूर्ण ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे होगा। साथ ही उज्जैन, सागर, जबलपुर में रोपवे परियोजनाओं का कार्य भी भारत सरकार के सहयोग से प्रारंभ किया गया है।

योगिता चौकसे जिला उपाध्यक्ष नियुक्त

इन्दौर योगिता दीपक चौकसे को अखिल भारतीय सर्ववर्गीय महिला महासभा की प्रदेश अध्यक्ष सुनीता जायसवाल की अनुशंसा पर महासभा का जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति पर अनेक समाजजनों ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी।

मुकेश के गीतों पर आधारित तारों में सजा के की प्रस्तुति 20 को

इन्दौर स्थानीय जाल सभागृह में आगामी 20 अप्रैल को शाम 6.30 बजे से संस्था स्वरदा द्वारा शहर के संगीत रसिकों के लिए एक मधुर संगीत कार्यक्रम तारों में सजा के आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में महान गायक मुकेश के चुनिंदा गीतों की प्रस्तुति दी जाएगी।

21 अप्रैल को किया जाएगा 14 वर्ष की आयु वाले हॉकी खिलाडियों का चयन

रतलाम। रतलाम हॉकी फिडर सेंटर के लिए खेल और युवा कल्याण विभाग की ओर से 21 अप्रैल सायं 4ः00 बजे से नेहरू स्टेडियम में 14 वर्ष की आयु वाले हॉकी खिलाडियों का चयन किया जाएगा जिसमें 20 बालक एवं 20 बालिका चयनित होंगे, यह चयन वर्ष 2025 -26 के लिए होगा। जिला खेल अधिकारी रुचि शर्मा ने बताया कि चयन प्रक्रिया के दौरान चयनित खिलाडियों को किट भी प्रदान की जाएगी। इसमें भाग लेने वाले प्रतिभागी अपने विकासखंड के युवा समन्वयक से संपर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। जावरा के राशिद खान, आलोट में दुर्गाशंकर मोयल, पिपलोदा में शाहिद हुसैन, बाजना में ममतासिंह, सैलाना में प्रीति चरपोटा, रतलाम में दुर्गा डामोर के अलावा हॉकी फिडर केंद्र के खेल प्रशिक्षक कृष्णा गोपाल तिवारी से भी संपर्क किया जा सकता है।

उत्कृष्ट विद्यालय द्वारा जिला स्तरीय खिलाडियों को वितरित की गई स्पोर्ट्स कीट

रतलाम। खेलों से जीवन को दिशा मिलती है इस मंत्र को चरितार्थ करते हुए उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में जिला स्तरीय खिलाड़ी छात्र-छात्राओं को उनके खेल गणवेश एवं स्पोर्ट्स कीट प्रदान किए गए। यह आयोजन लोक शिक्षण संचालनालय, भोपाल के निर्देशानुसार संभाग स्तरीय खेल प्रतियोगिता के प्रतिभागियों के लिए आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि एवं संयोजक श्री सुभाष कुमावत ने खिलाडियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा, जीवन की असली शिक्षा खेलों से मिलती है। हार-जीत के परे खेल अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास सिखाते हैं। सह संयोजक क्रीड़ा श्री दीपेन्द्रसिंह ठाकुर की देखरेख में स्पोर्ट्स किट का वितरण किया गया। इस अवसर पर जिला क्रीड़ा अधिकारी महेन्द्र सिंह सोलंकी, दातार सिंह शक्तावत, राजेश कोठारी, अशोक व्यास, पृथ्वीराज सिंह राठौड़, जुल्फिकार कुरैशी, अशोक गौड़, विजय रावल, राहुल परमार (व्यायाम शिक्षक) आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे।

देवारण्य योजना अंतर्गत ग्राम सरवन में स्वयं सहायता समूहों को प्रशिक्षण दिया गया

रतलाम। राज्य औषधीय पादप बोर्ड भोपाल के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर राजेश बाथम के मार्गदर्शन में आयुष विभाग रतलाम एवं सॉलिडरिडाड संस्था के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम सरवन में स्वयं सहायता समूहों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 16 अप्रैल किया गया, जिसमें एक जिला एक उत्पाद के तहत तुलसी की खेती को केंद्र में रखकर विस्तृत जानकारी दी गई। मुख्य वक्ता अंकित विजयवत ने देवारण्य योजना की रूपरेखा, इसके उद्देश्य तथा तुलसी को औषधीय एवं आर्थिक दृष्टि से एक उपयुक्त फसल के रूप में अपनाने के लाभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों को योजना से जुड़कर लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। सॉलिडरिडाड संस्था से श्री राहुल गहलोत ने तुलसी की वैल्यू चेन के विभिन्न चरणों उत्पादन, प्रसंस्करण, विपणन एवं निर्यात की जानकारी दी और बताया कि किस प्रकार समूह मिलकर इस कार्य को एक उद्यम के रूप में विकसित कर सकते हैं। उद्यानिकी विभाग के अखिलेश पाटीदार ने तुलसी की अच्छी खेती के वैज्ञानिक तरीकों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किस प्रकार उन्नत किस्म, जैविक विधियों और उचित कृषि तकनीकों के माध्यम से तुलसी की गुणवत्ता युक्त एवं लाभकारी खेती की जा सकती है। आत्मा विभाग के तकनीकी प्रबंधक द्वारा स्व सहायता समूह की महिलाओं को विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई एवं तुलसी की खेती संबंधी तकनीकी सहायता एवं खेती से लाभ लेने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से समझाया। प्रशिक्षण में सलवानिया क्लस्टर लेवल फेडरेशन (CL स्न) से जुड़े स्वयं सहायता समूहों की भागीदारी रही। महिलाओं ने प्रशिक्षण में उत्साहपूर्वक भाग लिया और तुलसी की खेती को आजीविका का माध्यम बनाने की दिशा में रुचि दिखाई। कार्यक्रम का समापन सामूहिक चर्चा एवं फीडबैक सत्र के साथ हुआ, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने अपने विचार साझा किए और भविष्य में तुलसी की संगठित खेती एवं विपणन को लेकर योजना बनाने की सहमति जताई। कुल 30 स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को इस कार्यक्रम द्वारा प्रशिक्षित किया गया।

दक्षिण दर्शन यात्रा के लिए रवाना होगी आई.आर.सी.टी.सी. कीभारत गौरव पर्यटक ट्रेन आईआरसीटीसी, भोपाल के संयुक्त महाप्रबंधक (पर्यटन), राजेंद्र बोरबन

रतलाम। मध्यप्रदेश के तीर्थ यात्रियों के लिए इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कारपोरेशन लिमिटेड (आई.आर.सी.टी.सी.) द्वारा भारत गौरव पर्यटक ट्रैन का संचालन किया जा रहा है। जो दिनांक 09.06.2025 को इंदौर शहर से दक्षिण दर्शन यात्रा के लिए रवाना होगी। यह ट्रैन मध्यप्रदेश के इंदौर, उज्जैन, शुजालपुर, सीहोर, रानी कमलापति, इटारसी, बैतूल एवं नागपुर स्टेशनों से होते हुए जाएगी, जहाँ से यात्री इस ट्रैन पर सवार हो सकेंगे। 9 रातें/10 दिनों की इस यात्रा में तिरुपति, रामेश्वरम, मदुरई, कन्याकुमारी एवं त्रिवेन्द्रम के दर्शनीय स्थलों का भ्रमण कराया जायेगा। इसके लिए यात्रियों को महज रु. 18,000/- प्रति व्यक्ति (स्रु - इकॉनामी श्रेणी), रु. 29,500/- प्रतिव्यक्ति (3ष्ट - स्टैण्डर्ड श्रेणी) एवं रु. 38,500/- प्रतिव्यक्ति (2ष्ट - कम्फर्ट श्रेणी) का खर्च उठाना होगा। आईआरसीटीसी, इस सर्व समावेशी टूर की पेशकश कर रहा है, जिसमें भारत गौरव ट्रेन के विशेष एलएचबी रेक में आरामदायक रेल यात्रा, ऑन-बोर्ड और ऑफ-बोर्ड भोजन, सड़क परिवहन और गुणवत्तायुक्त बसों में दर्शनीय स्थलों की यात्रा, यात्रा कार्यक्रम के अनुसार आवास की व्यवस्था, यात्रा में टूर एस्कॉर्ट्स, यात्रा बीमा, ऑन-बोर्ड सुरक्षा और हाउसकीपिंग की सेवा शामिल है।

पर ऑनलाइन व अधिकृत एजेंट से भी करा सकते है। इस सम्बन्ध में अधिक जानकारी व बुकिंग के लिए आई.आर.सी.टी.सी. के भोपाल, जबलपुर एवं इंदौर रेल्वे स्टेशन कार्यालय में निम्न लिखित फ़ोन नम्बरों पर संपर्क कर सकते है–

इंदौर : 0731 - 2522200, 9321901865, 8287931624, 8287931711, 8287931729

भोपाल : -9321901862, 9321901861, 9321901866, 7021090644, 8287931723

जबलपुर : 0761 -2998807, 7021091459, 9321901832, 8287931723

नागपुर : 9321901862, 8287931723

श्रीमती सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर ईडी द्वारा प्रकरण दर्ज करने के खिलाफ कांग्रेस का जंगी प्रदर्शन

रतलाम।

श्रीमती सोनिया गांधी तथा राहुल गांधी और अन्य नेताओं के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय द्वारा वर्षों पुराने प्रकरण के आधार पर बिना सक्षम प्रमाण के प्रकरण दर्ज करने के खिलाफ कांग्रेस ने आयकर कार्यालय के सामने जंगी प्रदर्शन किया।

नरेंद्र मोदी मुर्दाबाद के नारों से गूंज उठा आयकर कार्यालय

हजारों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रैली निकाल कर अंबेडकर सर्किल पर नारेबाजी करने के बाद आयकर कार्यालय रतलाम में महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया। आयकर के जॉइंट कमिश्नर संदीप श्रीवास्तव की अनुपस्थिति में अधिकारी मोनीष सिंह ने ज्ञापन लिया। ज्ञापन का वचन शहर कांग्रेस अध्यक्ष महेंद्र कटारिया ने किया और प्रदर्शन का नेतृत्व पूर्व जिलाअध्यक्ष तथा पूर्व विधायक हर्षविजय गहलोत ने किया।

इस अवसर पर हजारों की संख्या में कार्यकर्ता एकत्रित हुए और आयकर कार्यालय पर एक घंटे तक जमकर नारेबाजी की गई। नरेंद्र मोदी मुर्दाबाद नरेंद्र मोदी की तानाशाही नहीं चलेगी आदि नारों के साथ आयकर कार्यालय गूंज उठा।

कार्यकर्ता को संबोधित करते हुए हर्षविजय गहलोत ने कहा कि लोकतंत्र खतरे में है, और तानाशाही ताकते दबे कदमों से लोकतंत्र को खत्म करने का षड्यंत्र कर रही है। जिसके लिए कांग्रेस के कार्यकर्ता को हर कुर्बानी देने के लिए तैयार रहना होगा। शहर अध्यक्ष महेन्द्र

कटारिया ने कहा कि नरेंद्र मोदी राजनीतिक दुश्मनी और प्रतिशोध की भावना से काम कर रहे हैं, और उनकी हर दुर्भावनापूर्ण कारवाई का जमकर विरोध किया जाएगा।

ज्ञापन में महामहिम राष्ट्रपति से अनुरोध किया गया कि वह केंद्र सरकार से पूछे कि बिना किसी शिकायत के वर्षों पुराने प्रकरण पर ईडी ने बिना किसी प्रमाण के, श्रीमती सोनिया गांधी तथा राहुल गांधी पर प्रकरण किस आधार पर दर्ज किया। राजनीतिक प्रतिद्वंता के चलते लोकतंत्र को कुचलने और विरोधियों पर झूठे प्रकरण दर्ज करने के खिलाफ आप शासन से जवाब तलब करें।

इस अवसर पर पूर्व विधायक पारस सकलेचा, नगर निगम रतलाम में नेता प्रतिपक्ष शांतिलाल वर्मा, सैलाना नगर पंचायत अध्यक्ष लकी शुक्ला, सतीश पुरोहित, जावरा विधानसभा प्रत्याशी वीरेंद्र सिंह, कार्यवाहक अध्यक्ष ग्रामीण दिनेश शर्मा, कोमल धुर्वे, मयंक जाट, सलीम मोहम्मद बागवान, रजनीकांत व्यास, विनोद मिश्रा मामा, राकेश झालानी, जायेब आरिफ, फैयाज मंसूरी, शैलेंद्र सिंह अठाना, बसंत पंड्या, राजनाथ यादव, नासिर कुरैशी, हितेश पेमाल, सोहेल काजी, गणेश यादव, कमरुद्दीन कछवाय, रामचंद्र धाकड़, राधा प्रजापति, आरिफा कछवाय, शाकिर खान, इकरार चौधरी, पप्पू राठौर, संजय बरमेचा, पीयूष बाफना, मनोज खोईवाल, जितेंद्र पडियार मिर्ची, सोनू व्यास, युसूफ शाह, राजकुमार जैन, नीलू अग्रवाल, सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संत महात्मा भी सुरक्षित नहीं, गुंडो में कानून का भय नहीं, अफसरशाही बेलगाम

रतलाम।

नीमच में जैन संतों पर जानलेवा हमले करने वाले गुंडों को आजन्म कारावास की सजा दी जाए, और त्वरित न्यायालय में इनका प्रकरण चलाया जाए। शहर कांग्रेस रतलाम द्वारा आज महामहिम राज्यपाल मंगू भाई पटेल के नाम ज्ञापन एसडीएम रतलाम अनिल भाना को दिया गया।

कलेक्टोरेट कार्यालय पर आज कांग्रेस ने नीमच जिले में कछाला ग्राम में जैन संत पूज्यनीय श्री शैलेश मुनि जी, श्री मुनींद्र मुनि जी, श्री बलभद्र मुनि जी, पर रविवार की रात प्राणघातक हमले के विरोध में प्रदर्शन किया। आधे घंटे तक मुख्यमंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई और अपराधियों को फांसी दो, आजन्म कारावास दो, के नारे लगाए गए।

ज्ञापन में कहा गया कि की जैन मुनियों का हनुमान मंदिर में रात्रि विश्राम करना, भारतीय संस्कृति की अद्वितीय परंपरा का जीवंत उदाहरण है। प्रदेश की कानून व्यवस्था जर्जर हो चुकी है, और संत समाज पर कातिलाना हमला करने में गुंडो को कोई खौफ नहीं है।

ज्ञापन में मांग की गई है कि टीआई बीएल भाभर द्वारा दो घंटे तक रिपोर्ट नहीं लिखने, तथा समाज जन से दुर्व्यवहार करने, तथा मुनि वर्ग के खिलाफ अशालीन कमेंट्स करने की शिकायत के बाद भी शासन स्तर पर टीआई पर कोई कार्रवाई नहीं करना यह दर्शाता है कि गुंडों को संरक्षण दिया जा रहा है।

ज्ञापन में महामहिम राज्यपाल से मांग की गई है कि आरोपियों को आजन्म कारावास जैसे कठोरतम दंड से दंडित किया जाए तथा सभी संप्रदाय के संतों को विशेष संरक्षण प्रदान किया जाए तथा मुख्यमंत्री जिनके पास गृह मंत्रालय भी है, उन्हें इस संबंध में ठोस कार्रवाई करने के निर्देश दिए जाएं।

ज्ञापन का वाचन पूर्व विधायक पारस सकलेचा ने किया। इस अवसर पर शहर अध्यक्ष महेंद्र कटारिया, विनोद मिश्रा मामा, कार्यकारी अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह अठाना, कार्यकारी अध्यक्ष फैय्याज मंसूरी, ब्लॉक अध्यक्ष बसंत पंड्या, राजकुमार जैन, गणेश यादव, जाएंब आरिफ, पीयूष बाफना, पार्षद सलीम मोहम्मद बागवान, पार्षद नासिर कुरेशी, हितेश पेमाल, रजनीकांत व्यास, डॉ अजय चत्तर, संजय बरमेचा, राजनाथ यादव, जितेंद्र हाड़ा आदि सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सेवा, समर्पण और सोच में पवित्रता का लक्ष्य रखें

रतलाम। शासकीय कन्या शिक्षा परिसर रतलाम में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा जीवन निर्माण में बाबासाहेब के कार्यो का योगदान विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। ग्राम पंचायत सरपंच अम्बाराम मईड़ा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। अतिथियों ने प्रारंभ में माता सरस्वती एवं बाबासाहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित किया। बैज लगाकर किया। प्राचार्य गणतंत्र मेहता ने इस अवसर पर कहा कि बाबासाहेब के जीवन से प्रेरणा लेकर हम भी सेवा, समर्पण और सोच में पवित्रता का लक्ष्य रखें। इससे हमें अपने लक्ष्य को पाने में सहायता मिलेगी। सरपंच श्री मईड़ा ने छात्राओं को महापुरुषों के बताए मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। शिक्षक श्री पंकज मुकाती ने बाबासाहेब के जीवन वृत्त पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उनके व्यक्तित्व से सीख लेने का आव्हान किया। इस अवसर पर संस्था की छात्राओं पूजा डोडियार, सपना गहलोत, रीना मुनिया और खुशबू मालीवाड़ ने अतिथियों का बैज लगाकर स्वागत किया। रचनात्मक कार्यक्रमों के तहत शिक्षा का अधिकार नाटक की प्रस्तुति तुलसी भूरिया, तारा गोदा, कांता मचार, भावना भूरिया, किरण मईड़ा, महिमा निनामा, कविता गरवाल और फूलवती निनामा ने दी। लक्ष्य गीत की प्रस्तुति कृष्णा मुनिया, कांति डामर, अरविना गामड़, प्रियंका मकवाना ने दी। लोक नृत्य की प्रस्तुति ममता झोडिया, श्यामा निनामा, सुनीता डामोर, प्रियंका डोडियार, पायल हारी ने दी। शालिनी और अंजलि ने कविता प्रस्तुत की। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती प्रेमलता उईके ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

पुलिस चैकिंग के दौरान खटकेदार चाकू के साथ 2 युवकों को पकड़ा

रतलाम। एसपी अमित कुमार द्वारा शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं अपराधों की रोकथाम, आम जन को सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से शहर के सभी थाना प्रभारियों को पुलिस टीम के साथ अपने अपने क्षेत्र में औचक निरीक्षण, करने एवं क्षेत्र में बेवजह घूमने वाले, सार्वजनिक स्थानों पर नशा करने वाले, नशे में वाहन चलने वाले व्यक्तियों पर अंकुश लगाने के निर्देश सभी थाना प्रभारियों को दिए गए है। इसी तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश खाखा एवं नगर पुलिस अधीक्षक शहर सत्येन्द्र घनघोरिया के मार्गदर्शन थाना प्रभारी माणकचौक उनि अनुराग यादव के नेतृत्व में थाना माणकचौक पुलिस टीम द्वारा में रात्रि में बेवजह घूमने वाले लोगों को रोकने टोकने एवं संदिग्ध लोगों की चेकिंग के दौरान दो युवकों को धारदार चाकू लेकर घूमते हुए पकड़ा। 15 अप्रैल को रात्रि चेकिंग के दौरान करमदी रोड पेट्रोल पंप के पास से कृष्णा पिता हिम्मत बरगुंडा उम्र 19 वर्ष निवासी बारगुंडा का वास रतलाम एवं संत रविदास चौराहा के पास से मोहम्मद कैफ पिता मोहम्मद अय्यूब उम्र 19 वर्ष निवासी शांतिनगर हरमाला रोड को धारदार चाकू लेकर घूमते हुए पकड़ा। दोनों आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 224/25 एवं 225/25 आर्म्स एक्ट के अंतर्गत पंजीबद्ध किए गए। गिरफ्तार आरोपी ञ्कृष्णा पिता हिम्मत बरगुंडा उम्र 19 वर्ष निवासी बारगुंडा का वास रतलाम, मोहम्मद कैफ पिता मोहम्मद अय्यूब उम्र 19 वर्ष निवासी शांतिनगर हरमाला रोड। सराहनीय भूमिका ञ् उ नि अनुराग यादव थाना प्रभारी माणक चौक, उनि सुभाषचंद्र अग्निहोत्री, उनि अंगदप्रताप सिंह, सउनि शिवनाथ सिंह राठौर, प्र आर नारायण सिंह, प्र आर दिलीप रावत, प्र आर सुधीर की सराहनीय भूमिका रही।

पेंशनर समाज संगठन केन्द्र सरकार द्वारा पेंशनधारियों के साथ

विश्वासघात का पुरजोर विरोध कर आन्दोलन में भागीदारी करेंगे

रतलाम। मप्र. पेंशनर समाज रतलाम की माह अप्रैल की मासिक बैठक 13 अप्रैल की सायं को गुजराती समाज उमा विद्यालय परिसर में सुरेन्द्र कुमार छाजेड़ उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में उपस्थित पेंशनरों ने सबसे पहले केन्द्र सरकार द्वारा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियमों में किए गए संशोधन जो आठवें वेतन आयोग के लाभों को केवल भविष्य के सेवानिवृत्त कर्मचारियों पर लागू करने और मौजूदा पेंशनधारियों को इससे बाहर रखने पर व्यापक असंतोष जाहिर करते हुए इसे वर्तमान पेंशनरों के साथ अन्याय निरुपित किया। इसे पेंशनधारियों से विश?वासघात बताते हुए सरकार की क्रूर वेतन कटौती बताया केन्द्र सरकार का यह निर्णय लाखों पेंशनधारियों को आर्थिक संकट में डालने वाला साबित होगा। देश में महंगाई आसमान छूते स्तर तक बढ़ रही है जिससे जीवन यापन की लागत बढ़ती जा रही है। सरकार का यह विधायी कदम सामाजिक सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता और राष्ट्र की सेवा करने वालों के प्रति उसकी जिम्मेदारी पर गंभीर सवाल खड़े करता है। उपस्थित सभी पेंशनरों ने केन्द्र सरकार के इस कदम के प्रति अपना खुला विरोध प्रकट किया और कहा कि अपने वाजिब हक के लिए जिस स्तर के संघर्ष का संगठन कदम उठायेगा तो उसमें सहयोग करने में वे पीछे नहीं रहेंगे। मध्यप्रदेश के पेंशनर प्रदेश सरकार के उपेक्षा एवं अवहेलना भरे रवैये से वैसे ही पहले से आक्रोशित हैं। प्रदेश सरकार अभी तक पेंशनरों को उनके हक की दो महंगाई राहत के आदेश जारी नहीं कर परेशान कर रहा है। प्रदेश के पेंशनरों के विभिन्न संगठन अपने स्तर पर प्रदेश सरकार के इस रवैये का विरोध करते हुए ध्यानाकर्षण के लिए आन्दोलनरत हैं।

डबल इंजन की सरकार के एक इंजन वाली प्रदेश सरकार पेंशनधारियों की ओर ध्यान नहीं दे रही है और दूसरी ओर बड़े इंजन वाली केन्द्र सरकार पेंशनधारियों के साथ विश?वासघात वाली नीति पर अग्रसर होती नजर आ रही है। जो चिन्ता का मुद्दा है। पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी ने कहा था %पेंशन खैरात नहीं, बल्कि सेवा का जीवन भर के योगदान से अर्जित एक अधिकार है'। पेंशनर समाज के साथियों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों के आधार पर उपाध्यक्ष सुरेन्द्र छाजेड़ ने प्रदेश सरकार से मांग की है कि वह वरिष्ठ नागरिकों के हितार्थ महंगाई राहत की दो किश्तें केन्द्र सरकार द्वारा घोषित दिनांकों से एरियर सहित देने के आदेश जारी करे, मप्र-छग अधिनियम की धारा 49(6) को रद्द करे तथा पेंशनरों की वर्षों से लंबित चली आ रही मांगों को स्वीकार कर पेंशनरों के साथ न्याय करे। बैठक में इस माह जन्मदिन वाले पुरषोत्तम शर्मा एवं मदनसिंह पंवार का मणिमाला पहनाकर सम्मान किया गया और दीर्घजीवन की शुभकामनाएं दी। बैठक में बड़ी संख्या में सदस्यगण उपस्थित थे। अंत में संगठन सचिव बहादुर सिंह ने आभार प्रदर्शन किया।

जनहितैषी प्रस्तावों को दी महापौर परिषद ने स्वीकृति

रतलाम।

महापौर प्रहलाद पटेल की अध्यक्षता में आयोजित महापौर परिषद की बैठक में हनुमान ताल व सेजावता बायपास तालाब उन्नयन, सीवरेज, कॉलोनियों में बल्क कनेक्शन आदि प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई।

आयोजित बैठक में रतलाम नगर की वॉटर बॉडी उन्नयन योजना के तहत हनुमान ताल और सेजावता विसर्जन तालाब के पर्यावरणीय क्षरण के मुद्दे और उसके लिये उपचारात्मक उपायों के तहत वित्त पोषित किये जाने (उन्नयन) हेतु प्राप्त निविदा दर स्वीकृति महापौर परिषद द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई।

अमृत योजना के तहत रतलाम शहर की सीवरेज परियोजना 2.0 के विस्तार हेतु जारी निविदा में प्राप्त न्यूनतम दर को महापौर परिषद द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई योजना के तहत फ्रंट व बैक लेने शेष छूटे कनेक्शनों को जोडऩा, नालो को ट्रेप कर इन्टरमिडेट पम्प से एसटीपी पंहूचाना सहित अन्य कार्य किये जाना है।

इसके अलावा नगरीय क्षेत्र रतलाम की कॉलोनियों में रहवासी समिति के माध्यम से बल्क कनेक्शन दिये जाने के तहत आवास संख्या 0-50 न्यूनतम दर रूपये 15 हजार, आवास संख्या 50-100 न्यूनतम दर रूपये 25 हजार तथा आवास संख्या 100-400 न्यूनतम दर रूपये 35 हजार तथा प्रति भवन, भुखण्ड एवं फ्लेट के लिये 500 रूपये किये जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई।

नवनिर्मित सांस्कृतिक भवन रिटायर्ड कालोनी, होमगार्ड कालोनी, डोसीगांव, दिलीप नगर, उंकाला रोड, विरियाखेड़ी, खेतलपुर का शुल्क उठावना किराया 1000, सफाई 1000 तथा विद्युत 1000, पगड़ी किराया 5000, सफाई 1000 तथा विद्युत 1000, अन्य सभी कार्यक्रम किराया 10,000, सफाई 2000 तथा विद्युत 1000 रूपये किये जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई।

प्रधानमंत्री आवास योजना के एएचपी घटक अर्न्तगत डीपीआर-3 बंजली निर्मित एलआईजी फ्लेट का प्रथम आओ प्रथम पाओ के आधार पर 7 एलआईजी फ्लेट का अस्थाई आवंटन किये जाने के प्रस्ताव पर स्वीकृति प्रदान की गई।

आयोजित बैठक में महापौर प्रहलाद पटेल के अलावा महापौर परिषद सदस्य भगतसिंह भदौरिया, पप्पू पुरोहित, श्रीमती अनिता कटारा, धर्मेन्द्र व्यास, विशाल शर्मा, अक्षय संघवी, मनोहरलाल राजू सोनी, रामुभाई डाबी, श्रीमती सपना त्रिपाठी, निगम आयुक्त हिमांशु भट्ट, कार्यपालन यंत्री राहूल जाखड़, स्वच्छता अधिकारी ए.पी. सिंह, निगम सचिव राजेन्द्र शर्मा, उपयंत्री मनीष तिवारी, राजस्व विभाग प्रभारी राजेन्द्रसिंह पवांर के अलावा राजेन्द्र पुरोहित, राजेन्द्रसिंह गेहलोत आदि उपस्थित थे।

कहीं गधों से पानी लाकर बुझा रहे प्यास तो कहीं झिरी के जल से कंठ हो रहे तर

भीषण गर्मी में पेयजल संकट से जूझ रहे लोग

बड़वानी। 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुके तापमान के कारण भीषण गर्मी का सामना कर रहे जिलेवासियों को जलसंकट से भी जूझना पड़ रहा है। जिले के ग्रामीण अंचल में पानी की गंभीर समस्या बनी हुई है। हालात ये है कि सब काम-धंधे छोड़ ग्रामीणों को पानी की तलाश में भटकना पड़ रहा है। कहीं गधों से पानी लाकर ग्रामीण प्यास बुझा रहे हैं तो कहीं नदी-नालों की झिरी के पानी से लोगों के कंठ तर हो रहे हैं। लोगों को पीने तक का पानी ढंग से नसीब नहीं हो रहा है। कहीं-कहीं तो दो से तीन किमी का सफर तय करने के बाद लोगों को पानी नसीब हो रहा है।

जलसंकट की समस्या को दूर करने के लिए जल जीवन मिशन के तहत सरकार ने हर घर शुद्ध जल का नारा देकर करोड़ों रुपए की योजना के तहत विभिन्न गांवों में पेयजल टंकी और पाइप लाइन बिछाकर नल कनेक्शन भी किए हैं, बावजूद इसके लोगों को बूंद-बूंद पानी के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। गांवों के हालातों को देखकर यह कहना गलत नहीं होगा कि सरकार की नल जल योजना एक तरह से फेल साबित हो रही है।

जिला मुख्यालय से सटे आदिवासी बाहुल्य बड़वानी विधानसभा के सिलावद और पाटी क्षेत्र की ही बात करें तो यहां जलसंकट ने सभी को बेहाल कर रखा है। पाटी के चौकी सहित सेमलेट ग्राम पंचायत के सुदूर ग्राम भादल और सागबारा के ग्रामवासी आज भी पीने के पानी के लिए दर-दर भटक रहे हैं। हालात यह है कि यहां के लोगों को पीने के पानी की तलाश में तीन से चार किलोमीटर तक पैदल चलकर गड्ढों और पोखरों में जाना पड़ता है। वहां से ये लोग अपने सिर पर या मवेशियों पर पानी के बर्तन लादकर पानी लाते हैं।

इन गांवों में हैंडपंप और कुएं ग्रामीणों के लिए अनुपयोगी साबित हो रहे हैं। इस वजह से ग्रामीण पानी जैसी मूलभूत सुविधा के लिए तरस रहे हैं। ग्रामीण गधों और अन्य पशुओं की सहायता से पानी की तलाश कर अपनी और परिजनों की प्यास बुझाने को मजबूर है।

झिरी और गड्ढों से पानी भरना बना मजबूरी -

ग्राम चौकी, भादल, सागबारा, मतरकुंड और सेमलेट में महिलाएं झिरी और गड्ढों से पानी भरने को मजबूर है। गधों से पानी ढोया जा रहा है। मासूम बच्चे भी सिर पर पानी के बर्तन रखकर ले जाने को विवश है। पाटी जनपद और वन परिक्षेत्र के गांवों में ग्रामीणों को परिजनों और पालतू जानवरों की प्यास बुझाने के लिए इन दिनों 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर के तापमान के बीच भीषण गर्मी में पैदल चलकर पानी लाना पड़ रहा है। ग्रामीण महिला, पुरुष और बच्चे बर्तन सिर पर रखकर पानी की तलाश में निकलते आसानी से नजर आ जाते हैं।

पहाड़ीनुमा कच्चे रास्तों से ले जाना पड़ता है पानी -

पाटी विकासखंड के गांवों में पेयजल की विकराल समस्या बनी हुई है। यहां पहाड़ीनुमा कच्चे रास्तों से ग्रामीणों को पानी ले जाना पड़ता है। कई लोग ऊंची पहाड़ियों से नीचे उतरकर नदी या नाले में झिरी बनाकर पानी निकालते हैं, जिसके बाद बर्तन में छानकर पानी भरते हैं, जिसे पहाड़ी की चढ़ाई कर घरों तक पहुंचाते हैं। पाटी क्षेत्र पहाड़ियों से घिरा होने के कारण भीषण गर्मी होती है। साथ ही पानी की भी बड़ी किल्लत रहती है। यह हमेशा की समस्या है, लेकिन शासन-प्रशासन ने आज तक इस समस्या के स्थाई समाधान के कोई खास प्रयास नहीं किए हैं। ग्राम भादल के 50 साल के बुजुर्ग झिनला ने कहा कि उनके गांव में स्कूल, सड़क और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं की जरूरत है। मोहल्ले में एक हैंडपंप है, लेकिन उसमें भी थोड़ा सा पानी आता है। गर्मी के दिनों में वह भी सूख जाता है, जिसके बाद हम लोग काफी दूर से सिर पर पानी लाते हैं। गांव में जिन लोगों के पास गधे और खच्चर है, वे जानवर के माध्यम से पानी लेकर आते हैं। गांव के लोगों का कहना है कि गर्मी में जानवर भी पानी के लिए परेशान होते हैं।

गड्ढे खोदकर पानी की तलाश -

पाटी क्षेत्र के मतरकुंड के ग्रामीणों को इन दिनों नदी में गड्ढे खोदकर पानी की तलाश करना पड़ रही है। गांव के पुरुष गड्ढे खोदकर पानी निकालते हैं, जिसके बाद महिलाएं बर्तनों में इस पानी को छानकर भरती है। वहीं पहाड़ी पर चढ़कर उन्हें इस पानी को घर तक ले जाना पड़ता है। ग्रामीण लाकडिया, शिव तथा महिला सुरमई ने बताया कि उनके गांव में ना तो हैंडपंप की सुविधा है और ना ही शुद्ध पानी के लिए अन्य कोई इंतजाम है। पानी के लिए उन्हें पहाड़ी से नीचे उतरकर आना पड़ता है। नदी-नालों की झिरी का गंदा पानी पीने से ग्रामीण बीमार भी हो जाते हैं, लेकिन मजबूरी के कारण सब लोगों को यह पानी पीना पड़ता है।

एसपी का नवाचार की दिशा में प्रेरणादायक कदम

युवाओं को मिलेगा निःशुल्क प्रशिक्षण

बड़वानी।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय में 16 अप्रैल को बैठक का आयोजन किया गया। एसपी जगदीश डावर ने एक अभिनव पहल करते हुए बैठक में कहा कि पुलिस की भूमिका केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं है। हमारा उद्देश्य समाज के हर वर्ग तक पहुंचना और उन्हें सशक्त बनाना भी है।

निःशुल्क कोचिंग से युवाओं को मिलेगी उड़ान -

आदिवासी और आर्थिक रूप से पिछड़े युवाओं को एसपी के निर्देशन में पुलिस भर्ती परीक्षाओं के लिए निःशुल्क कोचिंग दी जाएगी। जिसमें विषय विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन और फिजिकल ट्रेनिंग दोनों शामिल होंगे। वहीं एसपी श्री डावर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शाला त्यागी बच्चों की पहचान कर उन्हें, विद्यालयों में भर्ती कराया जाए, ताकि वे फिर से शिक्षा की मुख्यधारा से जुड़ सके।

सृजन बालिकाओं को मिलेगा कंप्यूटर प्रशिक्षण

इसी तरह सृजन बालिकाओं को दिशा लर्निंग सेंटर के माध्यम से कंप्यूटर प्रशिक्षण देकर डिजिटल रूप से सशक्त किया जाएगा। यह पहल बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने और तकनीकी कौशल प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। वहीं आगामी अवकाशकालीन दिनों में पुलिस समर कैम्प आयोजित करने की योजना भी बनाई गई है।

जागरूकता अभियानों में भागीदारी के निर्देश -

बैठक में एसपी ने समस्त अधिकारियों और कर्मचारियों को साइबर सुरक्षा, यातायात जागरूकता, महिला सुरक्षा, सृजन बालिका कार्यक्रम जैसे विभिन्न जन जागरूकता अभियानों में विशेष रुचि लेकर कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में महिला सेल डीएसपी महेश सुनैया, आरआई चेतन बघेल, सुबेदार श्रीमती उषा सिसोदिया, महिला थाना प्रभारी श्रीमती सुनिता मुजाल्दा, यातायात प्रभारी विनोद बघेल, साइबर एक्सपर्ट रितेश खत्री, महिला डेस्क प्रभारी एसआई श्रीमती ललीता चौहान, एसआई शीला सोलंकी, एएसआई रेखा यादव तथा काउंसलर श्रीमती अनिता चोयल सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे।

अगले सत्र में बनेगा बड़ा जंगल

बड़वानी(अशोक पंडित)। सरदार सरोवर के डूब जंगल को पुनरू बसाने हेतु अगले वर्ष वन विभाग द्वारा पहाड़ी इलाकों में घना वन लगाने की योजना है। इसकी कार्य योजना और स्पाट का पिछले दिनों वन विभाग के बड़े अधिकारी का दौरा किया गया।

सूत्रों के हवाले से पता चला है कि बड़वानी जिले के भवती बिजासन मोरकटा खारीया बादल सेमलट आदि क्षेत्रों में घने वन लगाने की योजना चल रही है। जनचर्चा भी है कि इस क्षेत्र में वन भूमि पर अवैध अतिक्रमण भी हटेगा। साथ ही सभी प्रजाती के पौधे लगाने की योजना है। ज्ञात है कि इस क्षेत्र में वन्य प्राणी अधिक होने से एवं यहां रह सके ऐसे जंगल अभी नहीं हैं। इस संरक्षण हेतु एक अभियान भी बनाने की योजना है। इस क्षेत्र में वर्ष भर पर्याप्त पानी की भी व्यवस्था होगी एवं आवागमन कम होना चाहिए। ताकि वन्य प्राणी विचरण कर सके और उनकी सुरक्षा हो। इसके लिए वरिष्ठ अधिकारियों की टीम बार-बार मौके का मुआयना कर रही है। वहीं जहां वन लगाना है, वहीं पहाड़ियों को अभी से चिंहित किया जा रहा है। साथ ही जल स्त्रोत हमेशा बना रहे ऐसी व्यवस्था के साथ कुछ स्थानों पर ड्रिप सिस्टम या लिफ्ट ऐरीकेशन जैसी सुविधा भी होना है। सूत्रों से पता चला है कि कुछ पाईट पर सोलर पम्प एवं लाईट की सुविधा भी होगी। वहीं आवागमन हेतु पक्की सड़कों के भी निर्माण की योजना है। तो परिक्रमावासियों के लिए सुरक्षा हेतु बड़े पक्के हॉलो का निर्माण भी होना चाहिए। वहीं जंगल को कोई काटे नहीं इसके चारों तरफ कटिले तार फेंसिंग भी होना है। कुल मिलाकर अगले सत्र में वन विभाग के बड़े जंगल बनाने की योजना का क्षेत्रवासियों एवं पर्यावरणवादियों में खुशी है कि ये सतपुड़ा की पहाड़ी फिर हरी-भरी होगी।

कलेक्टर ने दिए थाने पर उपस्थिति के आदेश

बड़वानी। कलेक्टर गुंचा सनोबर ने एसपी जगदीश डावर की रिपोर्ट में जिला बदर की कार्रवाई के लिए प्रस्तावित 2 व्यक्तियों को पुलिस संबंधित थाने में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए आदेशित किया है।

कलेक्टर कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार अनावेदक खदान मोहल्ला बड़वानी निवासी अमन यादव पिता प्रवीण यादव को अप्रैल माह में 20 एवं 30 तारीख को, मई माह में 15 एवं 25 तारीख को, जून माह में 10 एवं 30 तारीख को थाना प्रभारी के समक्ष 3 माह तक अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। इसी प्रकार भीलखेड़ा बसाहट बड़वानी निवासी स्वप्नदीप पिता ब्रजेश प्रजापत को अप्रैल माह में 24 एवं 30 तारीख को, मई माह में 10 एवं 20 तारीख को, जून माह में 5 एवं 15 को तथा जुलाई माह में 1 एवं 30 तारीख को थाना प्रभारी के समक्ष 4 माह तक अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे।

आदेश में उल्लेखित किया है कि यदि अनावेदक उक्त निर्धारित तिथियों में कहीं जाता है, तो उसकी सूचना थाना प्रभारी को पूर्व से ही देंगे। आदेश का उल्लंघन करने पर मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 14 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

एसपी ने काउंसलर को किया सम्मानित

बड़वानी। जनसामान्य को बेहतर पुलिसिंग सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को समय-समय पर प्रोत्साहित किया जाना एसपी जगदीश डावर की प्राथमिकता रही है। इसी क्रम में मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एक आयोजन किया गया। इस दौरान काउंसलर श्रीमति अनिता चोयल को उनके उत्कृष्ट एवं सराहनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

महिला डेस्क टीम के अंतर्गत कार्यरत श्रीमति चोयल ने महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। बीते एक वर्ष में उन्होंने 100 से अधिक दंपतियों के आपसी पारिवारिक विवादों का सफलतापूर्वक समाधान करते हुए सामाजिक समरसता को बढ़ावा दिया। साथ ही साइबर जागरूकता अभियान सेफक्लिक में भी सक्रिय सहयोग किया।

उनकी मेहनत, लगन और जनसेवा के प्रति समर्पण को देखते हुए एसपी जगदीश डावर द्वारा उन्हें शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। यह सम्मान न केवल उनके प्रयासों की सराहना है, बल्कि जिले के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए प्रेरणास्रोत भी है।

3 वर्ष से अधिक समय से पदस्थ अधीक्षकों को स्थानांतरित किया जाए - जिपं अध्यक्ष

बड़वानी। जिले के छात्रावासों एवं आश्रमों में शालाओं में कार्यरत शिक्षकों को अधीक्षक बनाया गया है। ऐसे शिक्षक जिन्हें अधीक्षक के पद पर कार्य करते हुए 3 वर्ष या उससे अधिक समय हो गया है, उन्हें स्थानांतरण नीति के स्थानांतरित किया जाए। साथ ही अन्य शिक्षक जो कार्यालयों में संलग्नीकरण के तहत कार्यरत है, उनके संलग्नीकरण को समाप्त करने का प्रस्ताव बनाया जाए। जिससे शिक्षक अपनी मूल पदस्थापना पर जाकर बच्चों को शिक्षा दे सके।

जिला पंचायत अध्यक्ष बलवंतसिंह पटेल ने उक्त बातें मंगलवार को सामान्य सभा की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही। जिला पंचायत अध्यक्ष ने यह भी निर्देशित किया कि सामान्य सभा की बैठक के ऐजेण्डा के बिंदुओं का पालन प्रतिवेदन संबंधित विभाग के अधिकारियों द्वारा 7 दिन में ही जिला पंचायत में प्रेषित किया जाए।

बैठक के दौरान ऐजेण्डा में शामिल खाद उपलब्धता की समीक्षा करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष एवं विधायक बड़वानी ने निर्देशित किया कि जिले में आगामी खरीफसीजन के मद्देनजर खाद की कहीं पर भी कमी न हो। खाद की उपलब्धता निरंतर बनी रहे। इस पर मार्कफेड के जिला अधिकारी ने सदन के समक्ष यह बताया कि वर्तमान में जिले में पर्याप्त मात्रा में खाद की उपलब्धता है। किसान बड़वानी, अंजड़, राजपुर, ठीकरी, पानसेमल एवं पाटी में बने नगद खाद विक्रय केंद्र पर अभी से खाद का अग्रिम उठाव कर ले जिससे कि आवश्यकता पडने पर खाद का वे उपयोग कर सके।

बैठक में खाद्य आपूर्ति विभाग की समीक्षा करते हुए सदस्यों ने यह बताया कि नवीन पात्रता पर्ची जारी नहीं हो रही हैं, जिससे हितग्राहियों को राशन में समस्या आ रही है। कुछ हितग्राहियों को पात्रता पर्ची होने के बाद भी राशन नहीं मिल रहा है। इस पर खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के जिला अधिकारी एचएस मुवेल ने बताया कि 1 अगस्त 2024 से नवीन पात्रता पर्ची बनाने के कार्य बंद है। यदि कोई हितग्राही 3 माह तक निरंतर राशन नहीं लेता है, तो उसकी पात्रता पर्ची से राशन मिलना स्वतरू ही बंद हो जाता है। बैठक में अन्य निर्देश भी दिए गए।

इस दौरान जिला पंचायत सीईओ काजल जावला, विधायक राजन मंडलोई, करण दरावर, बरमा सोलंकी, श्रीमती गीता चौहान, दरबार डावर, भायदास महारिया, श्रीमती लेहदीबाई नेवल्या, श्रीमती जामबाई रमेश, जनपद पंचायत अध्यक्ष पाटी थानसिंह सस्ते, ठीकरी मनोहर अवास्या, श्रीमती भूरीबाई पप्पु पटेल सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

सोनिया और राहुल गांधी के खिलाफ दायर ईडी की चार्जशीट का धार में विरोध

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन, मामले को बताया राजनीतिक द्वेषता

धार। कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी और सोनिया गांधी के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दायर चार्जशीट का विरोध कर कलेक्ट्रे ट में राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में कांग्रेस पदाधिकारियों ने बताया कि पार्टी के राष्ट्रीय नेता सोनिया गांधी और लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर वर्षों पुराने नेशनल हेराल्ड मामले में राजनीतिक द्वेषता के चलते एवं केंद्र सरकार के खिलाफ बुलंद हो रही आवाज को दबाने के लिए ईडी ने चार्ज शीट दायर की है। इसका विरोध अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के आव्हान पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश पर बुधवार को जिला कांग्रेस कमेटी के द्वारा जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर कांग्रेसीजनो ने राष्ट्रपति के

नाम ज्ञापन सौंपा है। इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कमलकिशोर पाटीदार, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुरेंद्र सिंह नीमखेड़ा, अल्पसंख्यक कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष मुजीब कुरैशी, सरदारपुर विधायक प्रताप ग्रेवाल, पूर्व जिलाध्यक्ष धीरज दीक्षित, एन एम शर्मा, प्रदेश सचिव हरदेव सिंह जाट, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष मनोज सिंह गौतम शहर अध्यक्ष जसबीर सिंह टोनी छाबड़ा, जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष रोहित कामदार, प्रदेश सचिव सोहेल निसार, आशीष भाकर, राधेश्याम मुवेल, लियाकत पटेल, जगदीश सेन, राजेश पटेल, बंटी डोड, सुनील चौहान, मोहन डामोर, अजय ठाकुर, अभिजीत तिवारी, मुकेश मालवीय, सुरेश परमार, संजय मालवीय, गोलू देवड़ा, जीतू बाबा, मुफु सैफी, मोहम्मद अली, मनीष भार्गव, शंकर चौहान, अजीत पाल सिंह, मनोहर चावड़ा, रवि योगी, वाहिद कुरैशी सहित अनेकों कार्यकर्ता उपस्थिति थे ज्ञापन का वाचन सरदापुर विधायक प्रताप ग्रेवाल ने किया। उक्त जानकारी मनोज चौहान द्वारा दी गई।

धार मेडिकल कॉलेज को लेकर सियासत गर्माई

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने ट्वीट कर सीएम मोहन यादव पर साधा निशाना कहा– पहले से घोषित मेडिकल कॉलेज की पुरानी घोषणा को ही सीएम ने फिर दोहराया, ग्रीन बेल्ट की जमीन होने से अटका है मेडिकल कॉलेज प्रोजेक्ट

धार। मेडिकल कॉलेज को लेकर एक बार फिर राजनीति गरमा गई है। गंधवानी से विधायक और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मुख्यमंत्री मोहन यादव पर निशाना साधते हुए कहा है कि उन्होंने धार में पहले से घोषित मेडिकल कॉलेज की पुरानी घोषणा को ही दोहराया है। सिंघार ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री को उनके अफसर सही जानकारी नहीं दे रहे, इसलिए वे पुरानी घोषणाओं को ही फिर से मंच से दौहरा रहे है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मंगलवार को रतलाम में आयोजित वनवासी ग्रामीण मजदूर महासंघ के राष्ट्रीय अधिवेशन में धार में मेडिकल कॉलेज खोलने की बात कही। इस पर उमंग सिंघार ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा ट्वीट किया है कि ÷यह मेडिकल कॉलेज की कोई नई घोषणा नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान इस कॉलेज की घोषणा पहले ही कर चुके हैं और यहां तक कि भवन का वर्चुअल भूमिपूजन भी विधानसभा चुनाव से पहले हो चुका है जिस ज़मीन पर मेडिकल कॉलेज का भूमिपूजन किया गया था, वह ग्रीन बेल्ट में आती है, जिससे मामला अटक गया। अब मुख्यमंत्री उसी घोषणा को नए अंदाज़ में

दोहरा रहे हैं।

ग्रीन बेल्टॉ की जमीन होने से अटका प्रोजेक्टम– गौरतलब है कि धार में बनने वाले मेडिकल कॉलेज के लिए आवंटित भूमि ग्रीन बेल्टल की है, उसके मॉडिफिकेशन की प्रकिया अभी जारी है, हालांकि इससे पहले ही लोक स्वाकस्थॉय व चिकित्साआ शिक्षा विभाग ने इसके निर्माण के लिए 260 करोड़ की राशि के टेंडर निकाल दिए थे। इससे पहले भी लैड़ यूज को नजर अंदाज करते हुए 2 करोड़ 95 लाख की लागत से बाउंड्रीवाल बनाई गई थी। बाउंड्रीवाल निर्माण के बावजूद भी बारिश का पानी वहा घुस रहा था।

निजी हाथों में होगा संचालन– पीपीपी यानि पब्लि?क प्राइवेट पॉर्टिसिपेशन के तहत निजी कंपनी द्वारा उक्त मेडिकल कॉलेज का निर्माण और संचालन किया जाएगा, लेकिन शासन भी इस में भागीदार रहेगा। इसमें हर वर्ग को इलाज के लिए न्यूनतम शुल्क निर्धारित किया जाएगा।

राष्ट्रीय मिन्स कम मेरिट छात्रवृत्ति में चयन

बाकानेर। राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा आयोजित राष्ट्रीय मींस कम मेरिट छात्रवृत्ति योजना 2024 25 के परीक्षा परिणाम घोषित हुए जिसमें उमरबन विकासखंड के 16 बच्चों का चयन हुआ जिसमें से पांच बच्चे संकुल केंद्र कन्या उमावि बाकानेर की विद्यालयों के हैं। चयनित बच्चे कन्या उमावि बाकानेर,कु जानवी जायसवाल मा वि धनखेड़ी, से कु निशा बेनल रुखडिया वास्केल ,मा वि भुवादा से वीर बर्मन ,मा वि बजटटाखुर्द से कु दीपिका का चयन हुआ है , राष्ट्रीय मींस कम मेरिट छात्रवृत्ति योजना में चयनित बच्चों को कक्षा 9 से 12वीं तक अध्ययन के लिए शासन के द्वारा ?12000 की छात्रवृत्ति प्रतिवर्ष प्रदाय की जाती है, यह परीक्षा कठिन होती है इसमें चयन होना बहुत बड़ी बात होती है। बच्चों की इस उपलब्धि पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी सत्यनारायण सूर्यवंशी विकासखंड स्त्रोत समन्वयक राजेश रावल ,विकासखंड अकादमिक समन्वयक देवेंद्र सोलंकी, अजय खोड़े श्याम सेन, राकेश कनेल संकुल प्राचार्य श्रीमती किरण संजय वास्केल , संकुल के समस्त शिक्षकों ने बच्चों एवं चयनित विद्यालयों के शिक्षकों के लिए शुभकामनाएं ,बधाई दिली मुबारक बाद,प्रेषित की जानकारी जनशिक्षक तेजालाल पंवार द्वारा दी गई।

अधोसंरचना विकास के नाम पर कर्ज का हश्र

वर्ष 2005 में नगर निगम जबलपुर ने शहर में सीवर लाइन व नाला निर्माण वाटर ड्रेनेज योजना के नाम पर एशियन डेवलपमेंट बैंक से 196 करोड़ का कर्ज लिया था।न तो सीवर लाइन का काम ही अभी तक पूरा हो पाया है और न ही नाला निर्माण ही पूर्ण हो पाया है। सीवर लाइन प्रोजेक्ट में करीब एक हजार करोड़ रुपए लग चुका है और अभी कम से कम 200 करोड़ और लगना है। एशियन डेवलपमेंट बैंक से लिया गया कर्ज के बदले नगर निगम जबलपुर 18 करोड़ रुपए सालाना ब्याज दे रहा है और यह सिलसिला अगले 15 साल और चलना है।इसी तरह नगर निगम जबलपुर ने 2017 में हुडको बैंक से 96 करोड़ रुपए का ऋण आवास योजना को पूर्ण करने के लिए लिया था। मगर अभी तक एक भी मकान बेच नहीं पाया है।इस 96 करोड़ रुपए कर्ज के बदले हर तिमाही 1.5 करोड़ रुपए ब्याज देना होता है। सरकार का कहना है कि राज्य के पास इतना पैसा नहीं है कि विकास कार्य का संचालन कर सकें। वित्तीय घाटे के नाम पर एशियाई विकास बैंक, विश्व बैंक व अन्य अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं से कर्ज लिए जा रहे हैं और कर्ज के साथ तमाम शर्तें लादी जा रही है।मध्यप्रदेश और एडीबी की पार्टनरशिप 1999 में शुरू हुई थी। आज ऊर्जा, परिवहन, शहरी विकास, कृषि, आजीविका निर्माण, जल प्रबंधन और सिंचाई प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में एडीबी की 6 बिलियन यूएस डालर की मदद है. सड़क निर्माण एवं सुधार में 3 बिलियन यूएस डालर से 23 हजार किमी सड़कों का सुधार हुआ है। ऊर्जा क्षेत्र में 1.72 बिलियन यूएस डालर, 140 शहरों के विकास में 800 मिलियन डालर का सहयोग मिला। इससे जल आपूर्ति, सीवरेज, स्वच्छता, वर्षा जल निकासी और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में सुधार में मदद मिली है ।इसके अलावा 1 लाख 25 हजार हेक्टेयर में सिंचाई के लिये 375 मिलियन यूएस डालर का सहयोग मिला है।

पिछले पांच सालों में मध्य प्रदेश के कर्ज में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। मार्च 2020 में राज्य पर 2.01 लाख करोड़ रुपये का कर्ज था। मार्च 2024 तक यह आंकड़ा बढ़कर 3.75 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। अनुमान है कि इस वित्तीय वर्ष के अंत तक यह 4.21 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो जाएगा।मध्यप्रदेश सरकार को हर साल ?50,000 करोड़ सिर्फ कर्ज के ब्याज चुकाने में खर्च करने पड़ रहे हैं।अगर ब्याज की राशि बचाया जाता तो इसका इस्तेमाल सड़कों, स्कूलों, अस्पतालों और अन्य विकास कार्यों में हो सकता था. इसी मुद्दे पर उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे ने कहा है कि राज्य में वित्तीय इमरजेंसी जैसे हालात हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से जारी आंकड़ों और केंद्र सरकार की ओर से लोकसभा में दिए गए आंकड़ों के मुताबिक देश में सबसे ज्यादा कर्ज तमिलनाडु पर है, जो वित्त वर्ष 2024-25 की समाप्ति तक 8 लाख 34 हजार 543 करोड़ के पार पहुंच जाएगा। दूसरे नंबर पर उत्तर प्रदेश (7,69,245.3 करोड़), तीसरे नंबर पर महाराष्ट्र (7,22,887.3 करोड़), चौथे नंबर पर पश्चिम बंगाल (6,58,426.2 करोड़), पांचवें नंबर पर कर्नाटक (5,97,618.4 करोड़), छठे नंबर पर राजस्थान (5,62,494.9 करोड़), सातवें नबंर पर आंध्र प्रदेश (4,85,490.8 करोड़), आठवें नबंर पर गुजरात (4,67,464.4 करोड़), नौवें नंबर पर केरल (4,29,270.6 करोड़), दसवें नंबर पर (मध्य प्रदेश 4,18,056 करोड़), ग्यारहवें नंबर पर तेलंगाना (3,89,672.5 करोड़) और 12वें नंबर पर बिहार (3,19,618.3 करोड़) शामिल है।

सरकार का कहना है कि ये कर्ज पूरी तरह पूंजीगत व्यय, यानी अधोसंरचनात्मक विकास कार्यों पर खर्च किया जा रहा है। वित्तीय अधिकारियों के अनुसार, प्रदेश की वित्तीय स्थिति स्थिर है और राज्य ने कभी भी राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन अधिनियम का उल्लंघन नहीं किया है। भारतीय रिजर्व बैंक के माध्यम से लिया गया सारा कर्ज विकास कार्यों के लिए उपयोग किया जा रहा है, जो राज्य के दीर्घकालिक विकास के लिए आवश्यक है।जनता के मन में सवाल है कि क्या राज्य सरकार अपने वित्तीय खर्चों में कटौती करेगी या कर्ज का बोझ और बढ़ता रहेगा?

– राज कुमार सिन्हा
बरगी बांध विस्थापित एवं प्रभावित संघ, जबलपुर

आईपीएल अंक तालिका में आया बदलाव, चौथे स्थान पर पहुंची पंजाब

मुम्बई (एजेंसी)। पंजाब किंग्स की आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ जीत के बाद एक बार फिर अंकतालिका में बदलाव आया है। इससे लखनऊ सुपर जायंट्स एक स्थान नीचे फिसलकर पांचवे ओर केकेआर छठे स्थान पर फिसल गयी है। वहीं गुजरात टाइटंस शीर्ष स्थान पर बनी हुई है।

गुजरात ने छह में से चार मैच जीते हैं और उसके अब आठ अंक हैं। गुजरात का नेट रन नेट भी प्लस 1.081 हो गया है। वहीं पांच में से चार मैच जीतकर दूसरे नंबर पर दिल्ली कैपिटल्स की टीम है, उसने आठ अंक हासिल किए हैं। तीसरे नंबर पर आरसीबी है। उसने भी छह मैचों में चार जीतकर आठ अंक हासिल किये हैं। पंजाब किंग्स के भी अब छह मैचों में आठ अंक हो गए हैं और वह शीर्ष चार में शामिल हो गयी है। लखनऊ के पास भी आठ ही अंक हैं पर कम नेट रन रेट के कारण वह एक स्थान नीचे फिसल गयी है। केकेआर सात मैचों में छह अंकों के साथ छठवें, मुंबई इंडियंस छह मैचों में चार अंकों के साथ सातवें, राजस्थान छह मैचों में चार अंकों के साथ आठवें, हैदराबाद छह मैचों में चार अंकों के साथ नौवें और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) 7 मैचों में चार अंकों के साथ दसवें नंबर पर है।

अंक तालिका इस प्रकार है :

टीम मैच खेले जीत हार अंक नेट रन रेट

गुजरात टाइटंस 6 4 2 8 +1.081

दिल्ली कैपिटलस 5 4 1 8 +0.899

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 6 4 2 8 +0.672

पंजाब किंग्स 6 4 2 8 +0.172

लखनऊ सुपर जायंट्स 7 4 3 8 +0.086

कोलकाता नाइट राइडर्स 7 3 4 6 +0.547

मुंबई इंडियंस 6 2 4 4 +0.104

राजस्थान रॉयल्स 6 2 4 4 -0.838

सनराइजर्स हैदराबाद 6 2 4 4 -1.245

चेन्नई सुपर किंग्स 7 2 5 4 -1.276

महवश ने चहल के साथ सेल्फी पोस्ट कर सभी का ध्यान खींचा

मोहली। पंजाब किंग्स की कोलकाला नाइटराइडर्स (केकेआर) के खिलाफ जीत के हीरो रहे युजवेंद्र चहल के लिए आरजे महवश ने सेल्फी पोस्ट कर इस क्रिकेटर की जमकर प्रशंसा की है। चहल ने केकेआर के खिलाफ मैच में चार विकेट लेकर अपनी टीम को शानदार जीत दिलायी। इस मैच में पंजाब 112 रनों के छोटे से लक्ष्य का बचाव कर रही थी। चहल के प्रदर्शन से महवश ही नहीं पंजाब किंग्स की मालकिन प्रीति जिंटा भी बेहद खुश दिखीं। चहल जब मैच के बाद वापस आए तब प्रीति जिंटा ने उन्हें गले लगा लिया। प्रीति जिंटा के अलावा चहल की कई लोगों ने प्रशंसा की। मैच समाप्त के बाद आरजे महवश ने चहल के साथ हाल ही में ली गई सेल्फी पोस्ट की।

ऋषभ को स्ट्राइक रोटेशन में सुधार करना होगा : जाफर

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वसीम जाफर ने लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत से कहा है कि उन्हें हर मामले में बेहतर होना होगा। ऋषभ आईपीएल के शुरुआती मैचों में असफल रहे थे पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मुकाबले में 63 रन बनाकर उन्होंने अच्छी वापसी की है पर जाफर ने कहा कि उन्हें स्ट्राइक रोटेशन में भी सुधार करना होगा। जाफर ने ऋषभ की बड़े शॉट लगाने के रवैये पर भी बात की। उन्होंने सुझाव दिया कि कप्तान को अपने स्ट्राइक रोटेशन कौशल में सुधार करने की जरूरत है। जाफर ने कहा, मुझे नहीं पता कि वह ऐसा करने की कोशिश करता है या नहीं (स्ट्राइक रोटेट करना) उसी प्रकार चाहिये जिस प्रकार विराट कोहली करते हैं। वह स्ट्राइक से बहुत अच्छी तरह से दूर हो जाता है, क्योंकि वह हर तरफ खेल सकता है पर ऋषभपंत कभी-कभी अटक जाता है और यही समस्या है। फिर वह बड़ा शॉट लगाने की कोशिश करता है। मुझे लगता है कि उसे स्ट्राइक रोटेट करने में भी होनो होगा है। उन्होंने यह भी बताया कि वह शायद ही कभी सीधे हिट करते हैं, बल्कि लेग साइड की तरफ शॉट खेलना पसंद करते हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने पारी के अंत में एकमात्र सीधा छक्का लगाया और विकेटकीपर बल्लेबाज की लेग साइड की ओर शॉट लगाने की प्रवृत्ति को बताया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वह कभी भी सीधे हिट करने के प्रयास नहीं करता, वह हमेशा लेग साइड, स्क्वायर लेग, काउ कॉर्नर की ओर जाता है।

पूरन ने गाया हिंदी गाना

मुम्बई । आईपीएल के इस सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स के बल्लेबाज निकोल्स पूरन ने अब तक आक्रामक बल्लेबाजी कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया है। वहीं खेल के साथ ही पूरन गाने के भी शौकीन हैं। उनके एक बॉलीवुड गाने का वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। इसे सुपर जायंट्स ने पोस्ट किया है। इस दौरान पूरन के साथ टीम के कप्तान ऋषभ पंत और युवा खिलाड़ी अब्दुल समद और टीम के अन्य खिलाड़ी भी शामिल थे। प्रशंसकों ने भी इस वीडियो को खूब पसंद किया और पूरन की आवाज की भी प्रशंसा की है। इस मैच में धोनी एक बार फिर से फिनिशर के रोल में आये और अन्होंने सीएसके को जीत दिलाई। धोनी जब उतरे थे तब टीम को जीत के लिए 5 ओवर में 53 रन चाहिए थे पर धोनी ने एक छोर संभाला और 11 गेंदों पर चार चौके और एक छक्के की मदद से 26 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। वहीं शिवम दुबे ने भी 37 गेंदों पर 43 रन बनाकर उनका साथ दिया और टीम को 20वें ओवर में पांच विकेट से जीत दिला दी।

केकेआर में बने रहने मैंने 9 से 10 करोड़ रुपये के प्रस्ताव ठुकराये : रमनदीप

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) की ओर से खेल रहे युवा ऑलराउंडर रमनदीप सिंह ने कहा है कि मेगा नीलामी से पहले उन्हें दूसरी टीमों से 9 से 10 करोड़ रुपये देने का प्रस्ताव आया था पर उन्होंने केकेआर को नहीं छोड़ा।

रमनदीप की पिछले साल केकेआर की खिताबी जीत में अहम भूमिका रही थी। इसी कारण उन्हें कई टीम शामिल करने के लिए तैयार थीं। 2024 में उन्होंने केकेआर के लिए कई अच्छी पारियां खेली थी। यही कारण था कि केकेआर ने उन्हें चार करोड़ रुपये में टीम में बनाये रखा। रमनदीप ने कहा, नीलामी से पहले कई टीम ने मुझसे संपर्क किया था। इसमें मुझसे कहा गया था कि टीम में बने मत रहना, हम आपको नीलामी में 9 से 10 करोड़ रुपये दे सकते है पर मेरे लिए ईमानदारी मायने रखती है क्योंकि जब मुझे जरूरत थी तब केकेआर ने मुझे मंच दिया था। वहीं इस बार जब रिटेंशन का फैसला होना था, तब वेंकी सर ने फोन करके कहा, 'आप हमारी रिटेंशन योजनाओं में शामि हैं, आप क्या सोच रहे हैं? आखिरकार यह आपका फैसला है। वहीं अगर आप नीलामी में शामिल होते हैं, तो हम आरटीएम के जरिये आपको ले सकते हैं।' वहींमैंने उनसे कहा कि मुझे रिटेन होने में खुशी होगी क्योंकि एक बार जब आप नीलामी में शामिल हो जाते हैं, तो इस बात की कोई गारंटी नहीं होती कि आप उसी टीम में होंगे और मैं केकेआर नहीं छोड़ना चाहता था। मेरे लिए, कुछ करोड़ कम होने से कोई प्रभाव नहीं पड़ता। मैं उनकी बात का सम्मान करना चाहता था। गौरतब है कि रमनदीप को साल 2022 में मुंबई इंडियंस ने हार्दिक पंड्या के संभावित विकल्प के रूप में चुना था हालांकि जब हार्दिक आईपीएल 2024 से पहले गुजरात टाइटंस से फ्रैंचाइजी में वापस आए, तो उन्हें केवल पांच मैच खेलने के बाद रिलीज कर दिया गया। वहीं नवंबर 2023 में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद रमनदीप एक बार फिर नजरों में आये। केकेआर ने आईपीएल 2024 से पहले उन्हें शामिल कर लिया। उन्होंने केकेआर के लिए निचले क्रम के फिनिशर के तौर पर खेला। , उन्होंन नौ पारियों में 201.61 की स्ट्राइक रेट से 125 रन बनाए हालांकि इस सत्र में वह अब तक कुछ खास नहीं कर पाये हैं।

कांबली की सहायता के लिए आगे आये गावसकर

मुम्बई । महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर अब पूर्व भारतीय क्रिकेटर विनोद कांबली की सहायता के लिए सामने आये हैं। गावस्कर ने इससे पहले एक समारोह में वादा किया था कि वह आर्थिक तंगी से जूझ रहे कांबली की सहायता करेंगे। जिसे अब वह पूरा करने जा रहे है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार गावस्कर अपने चैम्स फाउंडेशन के जरिए कांबली की मदद के लिए आगे आए हैं। यह संगठन उन पूर्व अंतरराष्ट्रीय खेल हस्तियों की मदद करता है, जिन्हें वित्तीय सहायता की जरूरत होती है। इससे अब हर माह कांबली को 30,000 रुपये की सहायता मिलेगी। इसके अलावा उन्हें

सालाना 30,000 रुपये की चिकित्सा सहायता भी मिलेगी। गावस्कर ने कहा था कि वह और 1983 विश्व कप विजेता टीम युवा खिलाड़ियों को लेकर बहुत सजग हैं, जिनमें से कुछ उनके बेटे और पोते जैसे हैं। इसके बाद उन्होंने वादा किया कि वे कांबली का ख्याल रखना चाहते हैं और उन्हें अपने पैरों पर खड़ा होने में सहायता करना चाहते हैं। गावस्कर ने कहा कि मुझे मदद शब्द पसंद नहीं है। हम उनका ख्याल रखना चाहते हैं और उन्हें अपने पैरों पर खड़ा होने में मदद करना चाहते हैं। हम भविष्य में क्या करेंगे, यह हम देखेंगे।' गौरतब है कि कांबली पिछले कुछ साल से गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं। इसके अलावा उनकी आर्थिक स्थिति भी ठीक नहीं है। दिसंबर में उन्हें मूत्र संक्रमण और ऐंठन के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इसके बाद कांबली ने कहा था कि वह बीसीसीआई की ओर से मिल रही पैंशन पर ही किसी प्रकार से गुजारा कर रहे हैं।

करुण नायर की पत्नी सनाया भी सोशल मीडिया पर है काफी सक्रिय

मुम्बई । आईपीएल के इस सत्र में करुण नायर ने तीन साल बाद वापसी करते हुए पहले ही मैच में इम्पेक्ट प्लेयर के तौर पर धमाकेदार पारी खेलकर सबको हैरान कर दिया। करुण को इस सत्र में दिल्ली कैपिल्स ने शामिल किया था। करुण ने अपने पहले ही मैच में मुम्बई इंडियंस के खिलाफ 40 गेंदों पर ही 89 रन बनाये। इस मैच के दौरान सोशल मीडिया पर करुण नायर की पत्नी सनाया भी जमकर ट्रेंड हुईं। सनाया और करुण ने प्रेम विवाह किया था। वह सोशल मीडिया पर भी काफी सक्रिय रही हैं।

सनाया ने करुण की आईपीएल में वापसी के जश्न की तस्वीरें भी सोशल मीडिया में जारी की थी।

सनाया एक मीडिया पेशेवर और खेल और मनोरंजन सलाहकार हैं। इस जोड़े ने जून 2019 में गोवा में सगाई की और जनवरी 2020 में उदयपुर में शादी की, जिसमें पारसी और मलयाली दोनों परंपराओं को दर्शाया गया है। उनके मित्रों और परिवारों के अलावा, नायर के सहकर्मी और टीम के साथी खिलाड़ी अर्जिक्य रहाणे, शार्दुल ठाकुर, युजवेंद्र चहल, वरुण एरॉन और श्रेयस अय्यर उनके विवाह समारोह में शामिल हुए थे। सनाया सोशल मीडिया में आमतौर पर अपने पारिवारिक जीवन के पलों को साझा करती हैं और अपने पति के क्रिकेट करियर में सहयोग के पलों की तस्वीरें साझा करती रही हैं।

विवान शाह ने नहीं उठाया फिल्मी बैकग्राउंड का कोई फायदा

मशहूर अभिनेता नसीरुद्दीन शाह और रत्ना पाठक शाह के बेटे विवान शाह ने अपने नाम का कोई फायदा नहीं उठाया, और अपना अलग रास्ता अपनाने का फैसला किया। विवान शाह चकाचौंध भरी दुनिया से दूर जो रहते हैं। प्रियंका चोपड़ा जैसे बड़े नामों के साथ डेब्यू करने और बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान के साथ काम करने के बावजूद, विवान ने धीरे-धीरे खुद को लाइमलाइट से दूर कर लिया है। भारतीय सिनेमा और रंगमंच के दिग्गजों के परिवार से विवान बॉलीवुड के सबसे प्रतिष्ठित परिवारों में से एक से आते हैं। फिर भी लोग शायद ही उनके बारे में जानते होंगे। बता दें कि उनके पिता नसीरुद्दीन शाह और मां रत्ना पाठक शाह, दोनों ही फिल्म और थिएटर इंडस्ट्री में अपने काम के लिए जाने जाते हैं। वहीं दूसरी ओर उनके भाई इमाद शाह एक संगीतकार और अभिनेता हैं, और बहन हीबा शाह भी एक अभिनेत्री हैं। बता दें कि बॉलीवुड की दुनिया में, जहां स्टारडम अक्सर परिवार में चलता है, लेकिन विवान के बारे में यह कहना उचित नहीं होगा।

इंडस्ट्री में तमीज खत्म होती जा रही है : मुकेश खन्ना

महाभारत में भीष्म पितामह का किरदार निभाने वाले अभिनेता मुकेश खन्ना एक बार फिर कॉमेडियन कपिल शर्मा पर निशाना साधते नजर आए हैं। इस बार उन्होंने अपने अनुभव को एक पॉडकास्ट 'में साझा किया, जिसमें उन्होंने कपिल शर्मा से जुड़ी एक पुरानी घटना का जिक्र किया जो उन्हें आज भी खटकती है। मुकेश खन्ना ने बताया कि एक अवॉर्ड शो के दौरान उनकी कपिल शर्मा से मुलाकात हुई थी। उस वक्त कपिल इंडस्ट्री में नए थे और 'कॉमेडी सर्कस' कर रहे थे। खन्ना ने कहा, वो मेरे बगल में आकर बैठा, 20 मिनट तक कुछ नहीं बोला और फिर अवॉर्ड लेकर चला गया। न कोई नमस्ते, न कोई बातचीत। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि उन्हें सम्मान की उम्मीद नहीं थी, लेकिन शिष्टाचार की कमी उन्हें अखर गई। उन्होंने कहा, मैंने कभी सम्मान की मांग नहीं की, लेकिन मुझे गर्व है कि पूरा देश मेरे पैर छूता है, बिना मांगे। आज इंडस्ट्री में तमीज खत्म होती जा रही है।

तेनाली रामा ने पूरे किए 100 एपिसोड

तेनाली रामा एक महत्वपूर्ण उपलब्धि की ओर अग्रसर हो गया है। इसने 100 एपिसोड्स पूरे कर लिए हैं। यह शो महान विद्वान और कवि तेनाली रामा की यात्रा को दर्शाता है, जिनका किरदार कृष्णा भारद्वाज निभा रहे हैं। तेनाली रामा अपने तेज दिमाग और चतुराई से राजा कृष्णदेवराय के दरबार में जटिल समस्याओं का हल ढूंढते हैं। हर एपिसोड में एक नई चुनौती सामने आती है, और तेनाली रामा अनोखे तरीके से हर कठिन परिस्थिति का हल निकालते हैं–अक्सर इनमें कोई गहरा संदेश भी छिपा होता है।

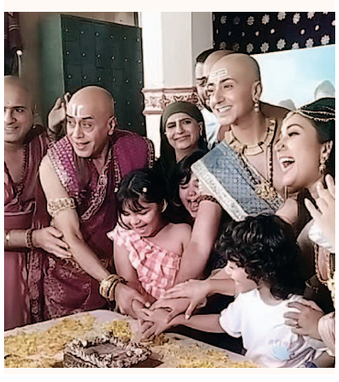

आर्ची ने कही दिल छू लेने वाली बात

कुमकुम भाग्य की पायल यानी आर्ची सचदेवा की कहानी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं लगती। कैमरे का सामना करने से बहुत पहले, आर्ची एक बिल्कुल अलग उड़ान के लिए तैयार हो रही थीं। उनकी एविएशन ट्रेनिंग लगभग पूरी हो चुकी थी और वो बतौर केबिन क्रू आसमान में उड़ने के सपने देख रही थीं। लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। अपनी मां से प्रेरित होकर उन्होंने एक ऑडिशन देने का अचानक लिया गया फैसला कर लिया, और बस वहीं से उनकी ज़िंदगी की दिशा बदल गई। उस एक कदम ने उन्हें कई नए मौकों के दरवाज़े खोलकर दिए। आर्ची कहती हैं, मैं एक ऐसे परिवार से आती हूं, जिसका एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से कोई नाता नहीं रहा। मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि एक दिन मैं एक्ट्रेस बनूंगी। स्कूल में आर्ट टीचर भी रही, फिर एविएशन जॉइन करने का मन बना लिया। लेकिन दिल के किसी कोने में एक्टिंग का सपना हमेशा था, जो शायद मैं खुद भी भूल गई थी।

प्रभुनाथ शुक्ल
ग्राम- हरीपुर, पत्रालय अभिया
जिला - भदोही, (उप्र)
पिन - 221404

राग दरबारी

आदत से लाचार हैं हम !

हम आदमी के स्वभाव को बदल नहीं सकते हैं। वह अपने स्वभाव यानी आदत से मजबूर होता है। हमारे पूर्वांचल में एक कहावत है कि जवन बानी पड़ी लरिकाई छूटे न चुड़ाई दईयां। कहने का भाव यह है की बचपन में आदमी की जो आदत बन गई वह अंतिम सांस तक उसके साथ रहती है। जिस तरह हम प्रकृति को नहीं बदल सकते हैं, ठीक उसी तरह हम आदमी की आदत को नहीं बदल सकते हैं। आदत एक कला है। मसलन कुछ आदमी दूसरे की सुनते नहीं सिर्फ अपनी सुनाते हैं क्योंकि उनके अंदर बड़बोलापन अधिक होता है। कुछ लोक सफ़ेद झूठ बोलते हैं, लेकिन लगता है कि वे बिल्कुल सच बोल रहे हैं।

हमारे आसपास ऐसे आदमी भी हैं जिन्हें नींद में टहलने की आदत है। कुछ लोग रात भर सोने के बाद भी कुर्सी पर बैठेते ही खर्राटें भरने लगते हैं। इसके साथ कुछ ऐसे भी लोग हैं जो पान और गुटका खाने के बाद उसका महाप्रसाद कहीं भी उड़ेल देते हैं। इस तरह के पुनीत कार्य आम से लेकर खास लोग करते हैं। हमारे माननीय भी विधानभवन को भी नहीं छोड़ते। वहां भी अपने थूकने की कला का प्रदर्शन करते हैं। थूकने वालों के इस पुनीत कार्य से लोग बहुत परेशान हैं। अच्छे -अच्छे ऑफिस, बहुमंजिला इमारतें, रेलवे स्टेशन, बस अड्डे, सीढ़ियों पर थूकने वालों के लिए विशेष चेतावनी का बोर्ड भी लगा दिया गया है।लेकिन लोग हैं कि मानते नहीं।

हमारे देश में थूकना एक कला है। राजा-महराजाओं ने तो थूकने के लिए बकायदा पीकदान रखते थे।अब इस तरह के पीकदान नहीं दिखते लेकिन सरकारी ऑफिस के बड़े बाबू की टेबल के नीच प्लास्टिक की बाल्टी पीकदान के रूप में उपयोग होती है। क्योंकि उन्हें मुफ्त में चाय और पान लेने की आदत होती है। घूस के रूप में भी वे पान की भेंट बत्तीसी निकालते हुए लेते हैं। थूकना हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है। हमारे यहाँ थूकने की पूरी आजादी है। हम सड़क, विधानसभा और सरकारी ऑफिस में रोज थूकते हैं।

अभी एक माननीय विधानसभा में ही थूककर अपनी महानता का अद्भुत परिचय दिया। विधानसभा अध्यक्ष ने उनकी काफी लानत मलानत किया, लेकिन उन्होंने उनके चेहरे को बेनक़ाब नहीं किया, क्योंकि वे माननीय ठहरे। अगर आम आदमी होते तो पता नहीं क्या होता। थूकते हुए उसकी तस्वीर वायरल हो जाती, लेकिन अब सवाल माननीयों के जमात का ठहरा।

हमारे यहाँ थूकना जैसे संविधानिक अधिकार है। आप रेल सफ़र के दौरान शौचालय में पान और गुटका खाकर थूकने वाले यात्रियों की तरफ से किया गया पुनीत कार्य आप आए दिन देखते हैं। खिड़की से भी थूक का महादान करते हैं। क्योंकि पान और गुटका हमें थूकने का पूरा अधिकार देता है। आप बाईक या वाहन पर सफ़र के दौरान भी हम अपने थूकने की कला का प्रदर्शन करते हैं। अच्छे कार्य के लिए जहाँ लोग एक दूसरे की प्रशंसा करते हैं वहीं थूरे कार्य पर थूकते भी हैं यहाँ थूकने का अभिप्राय शाब्दिक निंदा से है।

आप जहाँ जाइएगा थूकने वाले आपको आराम से मिल जाएंगे। हमारे समाज में थूक कर चाटने की भी प्रथा रही है। हलांकि अब इसका वर्जिनल वर्जन के बजाय शाब्दिक माफ़ी नामा आ गया है। लेकिन वह बात अब मुहावरा बन गया है जिसे आम बोलचाल की भाषा में हम थूक कर चाटना कहते हैं। वैसे आजकल लोग इतने महान कार्य कर दे रहे हैं, जिसकी वजह से हर जगह उनकी थू-थू हो रहीं है। लेकिन अब लोगों की आदत है वे थूकने से बाज नहीं आते और लोग बुरा करते रहते हैं। फिलहाल थूकने की यह बीमारी लाइलाज है फिलहाल इसका कोई समाधान नहीं है।

भाजपा के राज में दलित सुरक्षित नहीं

कमलनाथ ने मुरैना में युवक की मौत पर सरकार को घेरा

इंदौर। मध्य प्रदेश के मुरैना में अंबेडकर जयंती की रैली के दौरान डीजे बजाने को लेकर हुए विवाद में युवक की हत्या के मामले ने तूल पकड़ लिया है। पूर्व सीएम कमलनाथ ने घटना को लेकर प्रदेश की भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। कमलनाथ ने इस घटना को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ट्वीट कर सरकार को आड़े हाथों लिया।

कमलनाथ ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि मुरैना के हिंगोना खुर्द गांव में कल रात अम्बेडकर जयंती के जुलूस पर फायरिंग की गई और दलित समाज के एक युवक संजय पिप्पल की मृत्यु हो गई और एक युवक घायल हो गया। यह घटना एक बार फिर बताती है कि भाजपा की सरकार में दलित सुरक्षित नहीं हैं। भाजपा की सरकार में बाबा साहेब अम्बेडकर की जयंती पर दलित प्रसन्नतापूर्वक जुलूस भी नहीं निकाल सकते हैं।

कमलनाथ ने आगे लिखा कि भाजपा की मानसिकता दलित विरोधी है और दलितों पर अत्याचार करने वालों को भाजपा प्रश्रय देती है। इसी दिन महू के बेटमा में एक दलित दूल्हे की बारात को मंदिर में प्रवेश नहीं करने दिया गया। यह सब घटनाएं बता रही हैं कि भाजपा बाबा साहेब के बनाए संविधान के अनुसार सरकार चलाना नहीं चाहती और दलित समाज का उत्पीड़न करना चाहती है।

दिल्ली के फरमान पर गोलू को फटकार

संगठन का आखरी मौका

इंदौर (नगर संवाददाता)। देवास की माता टेकरी पर हुए विवाद का मामला भले ही रुद्राक्ष शुक्ला के माफी मांगने के बाद ठंडा हो गया हो, लेकिन भाजपा संगठन ने इस मुद्दे को गंभीर माना है। विधायक गोलू शुक्ला पर भी तलवार लटक गई है। संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा के दखल के बाद यह माना जा रहा है कि अब अगर गलती हुई तो कड़ी कार्रवाई हो सकती है।

माता टेकरी के पट बंद हो जाने के बाद रुद्राक्ष शुक्ला और उनके साथियों ने पुजारी के साथ बदतमीजी की थी। मारपीट के आरोप भी लगे थे। इस घटना के बाद हल्ला मचा था और पुजारी ने पुलिस को शिकायत की थी, लेकिन पहले दिन एक ही मुल्जिम के खिलाफ मामला दर्ज किया था, लेकिन बाद में रुद्राक्ष शुक्ला को भी मुल्जिम बनाया गया था। रुद्राक्ष शाही अंदाज में थाने पहुंचा था और उसकी जमानत भी हो गई थी। उसके बाद उसने पुजारी के साथ की गई बदसलूकी पर माफी भी मांगी थी। इस मामले का कानूनी तौर पर तो यहीं निपटारा हो गया है, लेकिन राजनीतिक तौर पर परेशानी बढ़ गई है। गोलू शुक्ला जब विधायक रमेश मेंदोला और भाजपा के नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा के साथ देवास जा रहे थे, तभी संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा इंदौर आ गए। उन्हें दिल्ली से इशारा मिला था कि इस मामले को शांत किया जाए और आगे के लिए समझाईश भी दी जाए। हितानंद ने बंद कमरे में विधायक गोलू शुक्ला के सामने नाराजगी जाहिर की थी और बताया था कि अगर भविष्य में अगर ऐसी दोबारा घटना हुई तो संगठन अपने स्तर पर कार्रवाई करेगा।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष इस मुद्दे को लेकर नाराज दिख रहे हैं और यही वजह रही कि गोलू शुक्ला को फटकार लगी है। असल में यह पहला मामला नहीं था, इसके पहले भी गोलू के लडकों के ढेरों शिकायत आ चुकी है और वह बदतमीजी करने में पीछे नहीं हट रहे थे। लगातार उन्हें समझाईश दी जा रही थी कि ऐसा कोई कांड नहीं किया जाए, जिससे पार्टी की बदनामी हो, लेकिन ध्यान नहीं दिया गया, लेकिन देवास के कांड ने संगठन को एक बार फिर परेशानी बढ़ा दी और संगठन की रीति नीति को कटघरे में ख़ड़ा कर दिया। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में गोलू शुक्ला के पर कतरे जा सकते हैं।

विधानसभा चुनाव भले ही अभी दूर है, लेकिन यह माना जा रहा है कि इनके टिकट पर भी अभी से ही खतरे के बादल छा गए हैं। इसके लिए दिल्ली भोपाल मे भी विरोधियों ने ताकत लगा दी है, जिसके चक्कर में गोलू घिर गए हैं।

कटाक्ष

भरपाई

आजादी से आज तक
कितनी ही योजनाएं आई
मगर ग़रीबों की भरपाई
आज तक न कर पाई
आया न उनके आंगन में
सवेरा श्री मान
मिलता रहा ऊंट के मुंह में
जीरा
चढ़ न पाये पायदान

सच्चा अधिकारी

आज का सच्चा अधिकारी
वही कहलाता हैं
जो अपने पेट को
गोदाम बनाता हैं

प्रजातंत्र का सूरज

राजनीति में आजकल
गढ़े मुर्दे उखाड़ने का चलन
खूब चल रहा हैं
इसलिए तो प्रजातंत्र का सूरज
धीरे-धीरे ढल रहा हैं

रमेश मनोहरा
शीतला माता गली जावरा
(म.प्र.)
457226, जिला रतलाम
मो. 9479662215

2025 में डिफाल्टर हुए किसानों का ब्याज भरेगी सरकार

- भारतीय किसान संघ ने सीएम डॉ.मोहन से की मुलाकात, भू अधिग्रहण संशोधन ड्राफ्ट मामले में रखे सुझाव

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से भारतीय किसान संघ के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इस दौरान किसानों ने भू अधिग्रहण संशोधन ड्राफ्ट के मामले में अपना पक्ष रखा। अधिकारियों के तर्कों से किसान संघ संतुष्ट नहीं है। भारतीय किसान संघ ने कहा कि किसान की सलाह और विश्वास में लिए बिना भूमि का अधिग्रहण न हो। वहीं किसान संघ ने सहकारी बैंकों के ऋण 31 मार्च तक जमा न कर पाने के कारण डिफाल्टर हुए किसानों के विषय को मुख्यमंत्री को अवगत कराया।

इस पर सीएम ने आश्वासन दिया कि ऐसे किसानों का ब्याज सरकार भरेगी। किसानों को चिंता करने की जरूरत नहीं है।

भारतीय किसान संघ के प्रदेश प्रतिनिधिमंडल ने किसानों की समस्याओं व मप्र सरकार के द्वारा विधानसभा में पारित भू अधिग्रहण संशोधन ड्राफ्ट के विषय पर किसानों की शंकाओं व उनके पक्ष को मजबूती के साथ रखा। किसान संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि सरकार को कृषि व किसान के लिए नीतिगत निर्णय करते समय किसान को विश्वास में लेना चाहिए। किसान व किसानों के संगठनों से भी सलाह लेकर उससे प्रभावित होने वाले पहलुओं पर चर्चा करना चाहिए। भारतीय किसान संघ के तीनों प्रांतों, प्रदेश और अखिल भारतीय पदाधिकारियों के सामने सरकार के अधिकारियों ने मध्यप्रदेश नगर तथा ग्राम निवेश (संशोधन) विधेयक 2025 का प्रजेंटेशन रखा। जिसके बाद किसान संघ ने मुख्यमंत्री की मौजूदगी में सुझाव रखे।

ये रखे सुझाव

भारतीय किसान संघ ने सीएम के सामने सुझाव रखे की किसान की सलाह व सहमति के बिना विकास परियोजना के लिये भू अधिग्रहण न किया जाये। अधिग्रहित भूमि पर विकसित होने वाली परियोजना की समय सीमा तय की जाये। तय सीमा में परियोजना पूर्ण न होने पर भूमि किसान को वापिस की जाये या वर्तमान बाजार मूल्य से मुआवजा दिया जाये। नगरीय व ग्रामीण क्षेत्र में भूमि मालिक को विकसित भूमि का 60 प्रतिशत हिस्सा दिया जाये। यदि 5 एकड़ से कम जोत वाले छोटे किसान की लेंड पुलिंग एक्ट में पूरी जमीन अधिग्रहीत किये जाने पर परियोजना पूर्ण होने तक किसान को जमीन का किराया दिया जाये।

जनजातीय क्षेत्रों में विकास परियोजनाओ के लिये भू अधिग्रहण करते समय वहां की सांस्कृतिक, सामाजिक परंपराओं और धरोहरें प्रभावित न हो। इसका ध्यान रखा जाये। शासन के मानक अनुसार लेंड पुलिंग एक्ट योजना में पूर्ण विकसित भूमि व्यवसायिक व आवासीय में 60 प्रतिशत जमीन भूमि स्वामी व 40 प्रतिशत अन्य डेवलपर को दी जाये। विकास परियोजना के लिये भू अधिग्रहण के दौरान किसान को बाजार मूल्य का 4 गुना मुआवजा दिया जाये। भूमि अधिग्रहण से प्रभावित किसान के परिवार के एक सदस्य को शैक्षणिक योग्यतानुसार परियोजना में नौकरी दी जाये।

किसी व्यवसायिक परियोजना में भू अधिग्रहण किये जाने पर परियोजना से प्राप्त कुल लाभांश का 20 प्रतिशत भू स्वामियों में बांटा जाये। किसानों की जमीन अधिग्रहित कर उद्योगों को न दिया जाये। जनहित में भूमि अधिग्रहण से प्रभावित भूमि स्वामियों की सलाह लेकर ही परियोजना विकसित की जाए। केवल राजपत्रित अधिकारी की राय को ही जनहित न माना जाएं। सिंचित बहु फसली वाली किसान की भूमि को अधिग्रहण न किया जाए। भूमि अधिग्रहण जिस उद्देश्य के लिए किया जा रहा उसकी डीपी आर सार्वजनिक रखी जाए। भू अधिग्रहण के समय जिस उद्देश्य के लिए भूमि अधिग्रहित की गई है। अधिग्रहण होने के बाद वह उद्देश्य परिवर्तन नहीं होना चाहिए और न ही किसी को लीज पर दी जाए। जिस परियोजना के नाम पर किसान की भूमि ली जा रही है, उस परियोजना के प्रारंभ के पूर्व किसान, सरकार व डेवलपर की समिति बनाई जाए। उस समिति के निर्णय उपरांत ही कोई कार्य उस भूमि पर हो।

कार्टून कोना.....

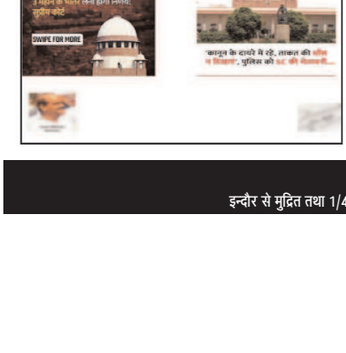

विधायकों की कमेटी करेगी सांची दुग्ध प्लांट का निरीक्षण

एनडीडीबी और डेयरी फेडरेशन के बीच एमओयू के बाद अब कृषि विकास समिति करेगी दौरे

इंदौर। भोपाल में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड और मध्यप्रदेश डेयरी फेडरेशन के बीच दूध उत्पादन बढ़ाने को लेकर हुए एमओयू के बीच अब विधानसभा की कृषि विकास समिति भोपाल और इंदौर संभाग का दौरा कर इसके बारे में जानकारी लेगी। कृषि विकास समिति के सभापति और सदस्यों की टीम इस दौरान भोपाल में हबीबगंज भोपाल के सांची दुग्ध संघ के प्लांट और नए लैब का निरीक्षण करेंगे।

यहां किसानों से किए जाने वाले दूध के कलेक्शन, प्रोडक्ट का प्रोडक्शन किए जाने और अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। विधानसभा की कृषि विकास समिति के सभापति दिलीप सिंह परिहार और उनकी टीम भोपाल और उज्जैन संभाग का दौरा 21 से 23 अप्रैल तक करेगी। समिति का दौरा 21 अप्रैल को एमपी राज्य पशुधन और कुक्कुट विकास निगम के केंद्रीय वीर्य संग्रहण केंद्र केरवा डैम से शुरू होगा। इसके बाद समिति दुग्ध उत्पादन कार्य का अवलोकन और संचालन पद्धति के साथ उसकी प्रोसेस समझेगी। साथ ही फॉर्म पर मौजूद पशुओं की नस्लों और उनकी प्रोडक्टिविटी की जानकारी ली जाएगी। इस दौरान समिति यह जानेगी कि तीन सालों में आय के साधन, व्यय के साथ देसी नस्लों के संवर्धन और संरक्षण की क्या स्थिति रही है? कृषि विकास समिति मध्यप्रदेश राज्य बीज और फॉर्म विकास निगम में बीज उत्पादन और निगम द्वारा संचालित फॉर्म की तीन सालों की प्रोग्रेस, हानि आदि के बारे में जानकारी लेगी। इसके बाद समिति उज्जैन संभाग में संभागीय अधिकारियों के साथ बैठक करेगी और कृषि उपज मंडी समिति उज्जैन का निरीक्षण करेगी। समिति नीमच में भी रुककर बैठक करेगी। समिति में सभापति दिलीप सिंह परिहार के अलावा सदस्य और विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह, सुशील कुमार तिवारी इंदू भैया, सचिन बिरला, नरेंद्र प्रजापति, उमाकांत शर्मा, संतोष बरकड़े, श्रीकांत चतुर्वेदी, सचिन यादव, साहब सिंह गुर्जर तथा भैरो सिंह बापू शामिल रहेंगे।

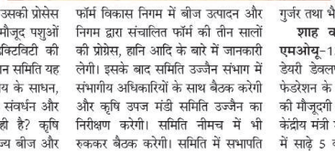

शाह की मौजूदगी में हुआ है एमओयू-13 अप्रैल को भोपाल में राष्ट्रीय डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड और एमपी डेयरी फेडरेशन के बीच केंद्रीय मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में एमओयू हुआ है। इस दौरान केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा था कि मध्यप्रदेश में साढ़े 5 करोड़ लीटर दूध का उत्पादन होता है, जो देश के कुल उत्पादन का 9 प्रतिशत है।

प्रदेश के किसानों के साथ केन्द्र सरकार चट्टान की तरह खड़ी है। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के साथ मिलकर कम से कम 50 प्रतिशत गांवों तक सहकारिता और डेयरी गतिविधियों का विस्तार करना आवश्यक है। इसके लिए आवश्यक नीति निर्माण और प्लानिंग भी करना होगी। केन्द्र सरकार की ओर से वित्तीय सहयोग भी उपलब्ध कराया जाएगा। प्रदेश में दुग्ध उत्पादन और उसकी प्रोसेसिंग से विभिन्न उत्पाद निर्मित कर किसानों की आय बढ़ाने की ओर एनडीडीबी और राज्य सरकार एक साथ अग्रसर होंगे। यह रास्ता अभी टू-लेन है, जिसे 6 लेन में विस्तारित करना होगा।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं प्रधान संपादक सुनील वर्मा के लिए दैनिक भास्कर प्रेस 4/54 प्रेस कॉम्प्लेस एबी रोड इंदौर मध्यप्रदेश
इन्दौर से मुद्रित तथा 1/4, परदेशीपुरा, इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। * मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com